नई दिल्ली

16

सितंबर, 2026

बुधवार

मूल्य : 01 रुपए

पृष्ठ : 08

वर्ष : 14

अंक : 167

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

RNI No. DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

Email : timesofpedia@gmail.com

मंधना ने रोहित को पीछे छोड़ा, अब विराट कोहली का रिकॉर्ड है निशाने पर 07

संक्षिप्त वार्ता

भारत-अमेरिका की सेनाओं का युद्ध अभ्यास 2026 शुरू

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले युद्ध अभ्यास 2026 के 22वें संस्करण की शुरूआत हो गई है। 15 सितंबर से 28 सितंबर तक चलने वाला यह संयुक्त सैन्य अभ्यास कई मायनों में ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। इस साल के अभ्यास की सबसे बड़ी खासियत इसका भौगोलिक विस्तार है।

भारत रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे

नई दिल्ली। भारत आज आयातक से रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ-उद्योग समन्वय बैठक ह्यविमर्श 2026ह्व में यह बात कही। उन्होंने देश की रक्षा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में ये छोटे उद्यम नवाचार के नए ध्वजवाहक बनकर उभरे हैं, जो नए विचारों और नई प्रौद्योगिकियों को जन्म दे रहे हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इनके लिए एक ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई सीधे डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के साथ संवाद कर डीप टेक व विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में काम करने का मौके प्राप्त कर सकते हैं।

भारत से बिना दस्तावेज उड़ गए 3 विदेशी, दिल्ली में हड़कंप

गृह मंत्रालय ने बुलाई आपात बैठक

नई दिल्ली। भारत से बिना जरूरी दस्तावेज दिखाए तीन विदेशी यात्री जर्मनी के लिए उड़ान भर गए, जिससे सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक सामने आई है। इस घटना से हड़कंप मच गया है और केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई है। फिलहाल, इन यात्रियों की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक, तीनों यात्री चार सितंबर को पंजाब के अमृतसर से दिल्ली पहुंचे थे और इसके बाद दिल्ली से लुफ्थांसा की म्यूनिख जाने वाली उड़ान में सवार हो गए। हालांकि, उन्होंने दिल्ली हवाई अड्डे पर आव्रजन प्रक्रिया पूरी नहीं की थी। इस गंभीर चूक के लिए विमानन कंपनी एयर इंडिया को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

गृह मंत्रालय ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। मंत्रालय ने मंगलवार को हुई इस घटना पर चर्चा के लिए संबंधित हितधारकों की शाम 7 बजे कर्तव्य भवन में एक बड़ी बैठक बुलाई है। इस बैठक की अध्यक्षता गृह सचिव गोविंद मोहन करेंगे। इसमें नागर विमानन मंत्रालय के सचिव और अतिरिक्त सचिव, खुफिया ब्यूरो के निदेशक, गृह मंत्रालय में केंद्रशासित प्रदेश एवं विदेशी नागरिक प्रभाग के अतिरिक्त सचिव, आव्रजन ब्यूरो के आयुक्त, एयर इंडिया के सीईओ और दिल्ली हवाई अड्डे के सीईओ सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। मामले के जानकारों ने बताया कि यात्रियों को अमृतसर हवाई अड्डे पर दिल्ली और लुफ्थांसा की म्यूनिख जाने वाली दोनों उड़ानों के लिए बोर्डिंग पास दिए गए थे। उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर आव्रजन प्रक्रिया पूरी करनी थी, लेकिन उन्हें इंटरनेशनल टू इंटरनेशनल ट्रांसफर के लिए भेज दिया गया।

...सवार हो सकते हैं

गौरतलब है कि अमृतसर एयरपोर्ट्स पर हब एंड स्पोक मॉडल लागू है। इस मॉडल में दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों को हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, वहीं छोटे और मझौले शहर स्पोक केंद्रों की भूमिका में हैं। स्पोक केंद्रों में ही आव्रजन और चेक-इन की सभी प्रक्रिया पूरी हो जाती है, जिसके बाद यात्री हब में बिना सिक्योरिटी होल्ड एरिया से बाहर निकले और लगेज की चिंता से मुक्त होकर सीधे विदेश जाने वाली फ्लाइट में सवार हो सकते हैं।

कई राज्यों की जीवनरेखा है मप्र की ये नदियाँ

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश से निकलने वाली कई प्रमुख नदियां दूसरे राज्यों तक पहुंचकर वहां की खेती, सिंचाई, पेयजल और जल संसाधनों की जरूरत पूरी करने में अहम भूमिका निभाती हैं। मप्र की ये नदियां कई राज्यों की जीवन रेखा बनी हुई है। चंबल, सोन, ताप्ती, बेतवा, नर्मदा, माही, वैनगंगा, सिंध और केन जैसी नदियां मध्य प्रदेश के जल तंत्र की प्रमुख आधार हैं। इनमें नर्मदा नदी का विशेष महत्व है।

करीब 1312 किलोमीटर लंबी नर्मदा का उद्गम अमरकंटक की पहाड़ियों से माना जाता है। यह मध्य प्रदेश से होकर पश्चिम दिशा में बहती हुई गुजरात पहुंचती है और अंत में खंभात की खाड़ी में जाकर मिलती है। नर्मदा का पानी सिंचाई, पेयजल और विभिन्न मानव जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण है। नदी पर बने कई बांध और जल परियोजनाएं भी आसपास के क्षेत्रों के लिए जल उपलब्ध कराने में योगदान देती हैं।

चंबल नदी का उद्गम इंदौर के पास जनापाव की पहाड़ियों से होता है। यह मध्य प्रदेश से निकलकर राजस्थान और उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ती है तथा आगे यमुना नदी में मिल जाती है। वहीं सोन नदी का उद्गम भी अमरकंटक क्षेत्र से होता है। यह मध्य प्रदेश से आगे बढ़कर बिहार में गंगा नदी में समाहित हो जाती है। ताप्ती नदी का उद्गम बैतूल जिले के मुलताई से होता है। करीब 724 किलोमीटर की यात्रा तय करने के बाद यह अरब सागर की खंभात की खाड़ी में मिलती है। सिंध नदी विदिशा क्षेत्र से निकलकर यमुना में मिलती है, जबकि केन नदी मध्य प्रदेश के कटनी क्षेत्र से निकलती है और उत्तर प्रदेश में यमुना से जुड़ जाती है। मध्य प्रदेश की नदियों की खासियत यह है कि उनका जल प्रवाह कई राज्यों को आपस में जोड़ता है।

...गोदावरी नदी तंत्र का हिस्सा बनती है

नर्मदा और ताप्ती गुजरात तक पहुंचती हैं, जबकि चंबल, बेतवा, सिंध और केन उत्तर प्रदेश से जुड़ती हैं। सोन बिहार, वैनगंगा महाराष्ट्र और माही राजस्थान-गुजरात के जल तंत्र से जुड़ी है। यही नदी नेटवर्क मध्य प्रदेश को देश के महत्वपूर्ण जल-स्रोत वाले राज्यों में शामिल करता है। बेतवा नदी का उद्गम रायसेन क्षेत्र से माना जाता है और यह आगे उत्तर प्रदेश पहुंचकर यमुना में मिलती है। इसी तरह माही नदी धार जिले से निकलती है और राजस्थान तथा गुजरात से होते हुए खंभात की खाड़ी तक पहुंचती है। वैनगंगा नदी का उद्गम सिवनी जिले में होता है और आगे चलकर यह गोदावरी नदी तंत्र का हिस्सा बनती है।

यूपीआई पर चार्ज की अटकलों पर सरकार ने लगाया विराम, 2,000 तक के ट्रांजैक्शन पर फीस नहीं

नई दिल्ली। यूपीआई ट्रांजैक्शन पर फीस लगाए जाने की चचाओं के बीच केंद्र सरकार ने स्थिति साफ कर दी है। वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि 2,000 तक के यूपीआई ट्रांजैक्शन और रुपे डेबिट कार्ड से किए जाने वाले भुगतान पर किसी तरह का चार्ज नहीं लगाया जा सकेगा।

नोटिफिकेशन के मुताबिक, कोई भी बैंक या सिस्टम प्रोवाइडर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भुगतान करने या रकम प्राप्त करने वाले व्यक्ति से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से कोई शुल्क नहीं वसूल सकता। इसमें खास तौर पर रुपे डेबिट कार्ड और 2,000 तक के यूपीआई ट्रांजैक्शन का उल्लेख किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने यह नोटिफिकेशन पेमेंट एंड सेटेलमेंट सिस्टम में किए गए संशोधनों के बाद जारी किया है। इन संशोधनों को पिछले महीने संसद की मंजूरी मिली थी। इसके बाद आशंका जताई जा रही थी कि सरकार डिजिटल पेमेंट पर किसी तरह का शुल्क लगाने का रास्ता खोल सकती है।

यूपीआई के आंकड़े भी हैं खास

आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में केवल करीब 4 प्रतिशत पी 2एम (पर्सन-टू-मर्चेंट) यूपीआई ट्रांजैक्शन 2,000 से अधिक के थे। हालांकि, संख्या में ये ट्रांजैक्शन कम होने के बावजूद कुल यूपीआई भुगतान मूल्य में इनकी हिस्सेदारी करीब दो-तिहाई रही। इसी अवधि में देश में 24,000 करोड़ से अधिक यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए, जिनका कुल मूल्य करीब 314 लाख करोड़ रहा। इससे भारत में डिजिटल भुगतान के तौर पर यूपीआई की व्यापक पहुंच का अंदाजा लगाया जा सकता है।

चर्चाओं पर फिलहाल विराम लग गया है

हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि भुगतान के इन माध्यमों का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों से बैंक या सिस्टम प्रोवाइडर किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं ले सकेंगे। इससे यूपीआई पर भविष्य में चार्ज लगाए जाने को लेकर चल रही चचाओं पर फिलहाल विराम लग गया है।

जजों के खिलाफ शिकायतों पर अदालती तंत्र मजबूत, बेहद प्रभावी है: सीजेआई

नई दिल्ली। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा है कि न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की ओर से विकसित तंत्र मजबूत, बेहद प्रभावी और समय पर कार्रवाई करने वाला है। दिल्ली में आयोजित व्याख्यान में सूर्यकांत ने कहा कि सुधार ही नियम होना चाहिए और कोई भी संस्था एक ही स्थिति में बने रहकर न तो टिक सकती है और न ही उस पर गर्व कर सकती है।

सीजेआई ने कहा कि मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि अन्य प्रशासनिक सुधारों के संबंध में, खासकर शिकायतों से जिस तरह निपटा जा रहा है, भारत के सीजेआई के रूप में मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों ने जो तंत्र विकसित किया है, वह मजबूत, बेहद प्रभावी और समय पर कार्यवाई करने वाला है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी और हरीश साल्वे, जिन्होंने इस कार्यक्रम में भी अपने विचार रखे, ने प्रशासनिक सुधारों से जुड़े कुछ ऐसे सवाल उठाए हैं, जो ह्लसार्वजनिक महत्व के अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्नह्व हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई ने कहा कि किसी भी संस्था को समय-समय पर प्रशासनिक सुधारों की जरुरत हो सकती है और न्यायपालिका भी इसका अपवाद नहीं है। जेठमलानी ने अपने संबोधन में उस विवाद का जिक्र किया था, जो पिछले साल दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर नकदी मिलने के आरोपों से जुड़ा था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि हम बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार करते हैं कि सुधार ही नियम होना चाहिए।

केदारनाथ यात्रा तीसरे दिन भी बंद

देहरादून। उत्तराखंड में केदारनाथ पैदल मार्ग पर लगातार पत्थर गिरने के कारण केदारनाथ यात्रा तीसरे दिन भी बंद रही। सुरक्षा बलों ने करीब 7,000 यात्रियों को सुरक्षित निकालकर गौरीकुंड की ओर भेज दिया है, जबकि 500 से अधिक तीर्थयात्री अभी फंसे हुए हैं। राहत की बात यह है कि केदारनाथ धाम के लिए आज से हेलीकॉप्टर सेवाएँ शुरू हो गई हैं, लेकिन पैदल यात्रा अभी भी रोकी गई है।

ट्रंप के टैरिफ पर लगाम कसने को लेकर ब्रिक्स देशों की एकजुटता

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों ने अपने 45-पृष्ठों के घोषणापत्र में वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर गंभीर चर्चा की है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीतियों और एकतरफा आर्थिक प्रतिबंधों के खिलाफ एक स्पष्ट परोक्ष संदेश दिया गया है। समूह ने वैश्विक स्तर पर बढ़ते एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों पर गहरी चिंता व्यक्त की है और अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा टैरिफ बढ़ाने के तमाम कदमों का कड़ा विरोध किया है, इसे वैश्विक व्यापार के लिए हानिकारक बताया है।

घोषणापत्र में पहलगाम में हुए आतंकी हमले और पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) के युद्ध जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दों पर विस्तार से बात की गई है। इसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि मौजूदा मतभेदों को पाटने के लिए कूटनीतिक कोशिशें समय की सबसे बड़ी जरूरत हैं। इसके अलावा, दस्तावेज में गाजा में तुरंत युद्धविराम लागू करने और वहां मानवीय सहायता निर्बाध रूप से पहुंचाने का भी पुरजोर समर्थन किया गया है, हालांकि इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध का कोई विशेष उल्लेख नहीं किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम सीधे तौर पर लिए बिना, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में उनके आक्रामक अमेरिका फर्स्ट टैरिफ अभियानों और वॉशिंगटन से लगने वाले संभावित सेकेंडरी प्रतिबंधों के खिलाफ एक स्पष्ट परोक्ष संदेश दिया गया है। घोषणापत्र के पैरा 22 में साफ कहा गया है कि ब्रिक्स देश एकतरफा आर्थिक प्रतिबंधों और दबाव के खिलाफ हैं, क्योंकि ऐसे कदम वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता पैदा करते हैं और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करते हैं।

बैठक में इस बात पर भी चिंता जताई गई कि देश जिस तरह से एकतरफा टैक्स (टैरिफ) लगा रहे हैं, वह वैश्विक व्यापार को बिगाड़ रहा है और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस तरह की संरक्षणवादी नीतियां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करती हैं और व्यापारिक भागीदारों के बीच अविश्वास पैदा करती हैं। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों के कारण भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे विकासशील देशों के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे अपने व्यापारिक रास्तों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करें। अमेरिकी दबाव के कारण ही भारत और चीन जैसे पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी भी साझा आर्थिक हितों के लिए एक मंच पर आ रहे हैं, जो एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर इशारा करता है।

एलएसी पर चीनी सैनिकों की तैनाती घटी, पर खतरा बरकरार

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी सेना (पीएलए) की अग्रिम तैनाती में महत्वपूर्ण कमी का खुलासा किया है।

हालांकि, रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई है कि सैनिकों की संख्या घटने के बावजूद सीमा पार चीन की भारी सैन्य क्षमता और रणनीतिक बुनियादी ढांचा जस का तस बना हुआ है, जिससे सैन्य खतरा अभी टला नहीं है और भारत को निरंतर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के उत्तरी मोर्चे पर स्थिति वाले हिस्से में बताया गया है कि 2025 के दौरान भारत की उत्तरी सीमाओं के सामने पीएलए की तैनाती में काफी कमी देखी गई। आकलन के अनुसार, एलएसी के साथ वाले इलाकों और पारंपरिक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्रों में तैनात 10 कंबाइंड-आर्म्स ब्रिगेड-स्तर के फॉर्मेशन (सैन्य टुकड़ियों) को कम किया गया है। एक पीएल कंबाइंड-आर्म्स ब्रिगेड में लगभग 5,000 जवान होते हैं, लेकिन 10 ब्रिगेड-स्तर के फॉर्मेशन में कमी को सीधे तौर पर एलएसी से 50,000 सैनिकों की पक्की वापसी नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि इसमें प्रशिक्षण क्षेत्र भी शामिल हैं, जो सीधे एलएसी पर नहीं हैं। तैनाती में इस कमी का मतलब यह कतई नहीं है कि एलएसी पर चीनी सैन्य खतरा खत्म हो गया है। चीन सीमा पर अपनी बड़ी सैन्य क्षमता और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा बनाए हुए है।

रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में स्थिति स्पष्ट

रिपोर्ट बताती है कि चीन की सैन्य मौजूदगी में सैनिकों के साथ-साथ मिसाइल सिस्टम, एयर डिफेंस सिस्टम और टैंक जैसे भारी हथियार भी शामिल हैं। इससे एलएसी के सभी सेक्टरों में भारत की निरंतर तैयारी और मजबूत सैन्य उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आकलन में चीनी पक्ष की भौगोलिक स्थिति भी एक महत्वपूर्ण कारक है। एलएसी के पार चीनी पक्ष का अधिकांश इलाका अपेक्षाकृत समतल पठारी क्षेत्रों से बना है, जिससे पीएलए के सैनिकों और सैन्य संसाधनों को अपेक्षाकृत तेजी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। रिपोर्ट उत्तरी सीमा पर सकारात्मक घटनाक्रम के पीछे भारत और चीन के बीच निरंतर राजनीतिक, राजनयिक और सैन्य बातचीत को भी एक प्रमुख कारक बताती है। अक्टूबर 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच तीन बैठकें हुई हैं। इसके अलावा, अगस्त 2026 में, भारत के विशेष प्रतिनिधि और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी, जिसमें दोनों पक्ष सीमा विवाद के राजनीतिक समाधान की दिशा में प्रयास जारी रखने पर सहमत हुए थे।

रक्षा मंत्रालय का यह आकलन एक मिली-जुली तस्वीर पेश करता है। एक ओर, पीएलए की तैनाती में कमी चीनी फॉरवर्ड तैनाती के पैमाने में गिरावट का संकेत देती है, वहीं दूसरी ओर, चीन की समग्र सैन्य क्षमता, हथियार प्रणालियां और सीमा पर बुनियादी ढांचा काफी मजबूत बना हुआ है। भारत के लिए, रिपोर्ट एलएसी के सभी क्षेत्रों में पर्याप्त तैनाती बनाए रखने के साथ-साथ सड़कों, सुरंगों, एयरफील्ड्स और अन्य रणनीतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना जारी रखने के महत्व पर जोर देती है। इसलिए, व्यापक आकलन यह है कि उत्तरी सीमा पर हालात लगातार बातचीत से बेहतर हुए हैं, लेकिन स्थिति पर अभी भी कड़ी निगरानी और निरंतर ऑपरेशनल तैयारी की आवश्यकता है।

संपादकीय

ईरानी परमाणु बम के ऊहापोह

जब नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एकतरफा युद्ध और आर्थिक प्रतिबंधों के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया जा रहा था, तब अमरीकी कांग्रेस (संसद) में प्रतिबंध संबंधी बिल पर चर्चा की जा रही थी। तभी राष्ट्रपति ट्रंप ने संभावना जताई कि ईरान युद्ध अमरीकी मध्यावधि चुनाव (मिड टर्म पोल) के बाद तक खिंच सकता है! वैसे ट्रंप इसे युद्ध नहीं मानते। यह भी अजीब मान्यता है। बहरहाल उनका मानना है कि चुनावों के बाद ही जंग समाप्त हो सकती है! उसी दौरान अमरीकी सेना ने होर्मुज के पास और तेहरान में आईआरजीसी के मुख्यालय पर हवाई हमले किए। उनमें कुछ सैनिकों के हताहत होने की भी खबर सामने आई है। हमलों की इंतहा के मद्देनजर कुछ ईरानी सांसदों ने कहा कि अब परमाणु बम बनाने का वक्त आ गया है। संसद में प्रस्ताव पेश कर परमाणु नीति में संशोधन पर चर्चा कराई जाए। हालांकि दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन के इतर एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सवाल की प्रतिक्रिया में सवाल किया कि ईरान में परमाणु बम बनाने के कोई सबूत अमरीका या इजरायल दे सकता है क्या? ईरान की नीति और सोच परमाणु बम बनाने की नहीं रही है। यह फिजूल का आरोप ईरान पर चस्पां किया जाता रहा है, ताकि हम पर हमला किया जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बार-बार बयान देते रहे हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। इसी मकसद से 28 फरवरी को दोनों देशों ने ईरान पर साझा हमला किया था, लेकिन वे अभी तक परमाणु कार्यक्रम की थाह भी नहीं ले सके हैं। यदि ईरान परमाणु शक्ति वाला देश होता, तो वह खामेनेई से फोन पर बात करते, हमले नहीं करते।

यह राष्ट्रपति ट्रंप का ताजातरीन बयान है। रक्षा विशेषज्ञ भी ऊहापोह में हैं कि ईरान परमाणु बम बनाने की स्थिति में है अथवा नहीं! परमाणु विज्ञानी मानते हैं कि ईरान के पास इतना सवंर्धित यूरेनियम है कि वह एक सप्ताह में ही करीब 10 छोटे परमाणु बम बना सकता है! ऐसे बम भी हिरोशिमा-नागासाकी जैसे विध्वंसक, संहारक बम होते हैं। राजनयिकों और रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस दिन ईरान ने छोटे परमाणु बम भी बना लिए, उसी दिन से इजरायल के अस्तित्व की उलटी गिनती शुरू हो जाएगी। कुछ विशेषज्ञों का तो यहां तक दावा और विश्लेषण है कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध के चक्रव्यूह में इतना फंस चुके हैं और गहरे तनाव की स्थिति में बताए जाते हैं, लिहाजा वह किसी भी दिन, किसी भी पल, ईरान पर टेक्टिकल परमाणु हमले का आदेश दे सकते हैं। कितना विनाश, कितनी तबाही होगी! लाशों के अंबार लग जाएंगे! समंदर का पानी विषाक्त हो जाएगा! तेल के कुएं बर्बाद हो जाएंगे! क्या ट्रंप की सनक और जिद इस पराकाष्ठा तक भी पहुंच सकती है? हमें तो कमोबेश ऐसा आभास नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) भी संयुक्त राष्ट्र तक गई है, क्योंकि वह ईरान की परमाणु गतिविधियों का यथार्थ जानने में अक्षम और असमर्थ है, क्योंकि ईरान ने उसके निरीक्षण, जांच-पड़ताल को नकार दिया है। यह तभी हो गया था, जब 2025 में अमरीकी बॉम्बर ने बंकर फोड़ू बमों से उसके परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे। आईएईए और खुफिया रपटों के मुताबिक, इसके पुख्ता सबूत नहीं हैं कि ईरान के पास वर्तमान में, पूरी तरह से तैयार, परमाणु बम है या उसका हथियारबंद डिजाइन है। उपग्रह की तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि ईरान भूमिगत ठिकानों (पिकएक्स माउंटेन क्षेत्र) में अपने बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है, जिससे पश्चिमी देशों और विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईरान राजनीतिक निर्णय लेता है, तो वह बहुत कम समय (कुछ हफ्तों या महीने भर) में परमाणु हथियार के लिए आवश्यक विखंडनीय सामग्री तैयार कर सकता है। बहरहाल अभी तक सब कुछ अटकलें ही लगता है। ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का सदस्य है। यदि वह परमाणु बम बनाने के करीब है, तो जाहिर है कि वह इस संधि से बाहर भी आएगा। ब्रिक्स घोषणा-पत्र में परमाणु खतरे और संघर्ष के जोखिमों को भी शामिल किया गया है। क्या यह दस्तावेज सार्थक होगा? ट्रंप इसे क्यों मानेंगे? वैश्विक आर्थिकी को इस वक्त जो नुकसान झेलना पड़ रहा है, उसकी क्षतिपूर्ति में वर्षों का समय लगेगा। कई देशों में अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। लोगों को कमाई करना मुश्किल हो गया है। खाड़ी देशों में जो भारतीय काम कर रहे थे, उनके सामने भी रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ऐसी स्थिति में बेहतर यही होगा कि इस लड़ाई को जल्द से जल्द रोका जाए तथा ईरान-अमरीका व रूस-यूक्रेन, दोनों युद्धों की समाप्ति की घोषणा हो।

पहली बार भारत को मिली 'ए' रेटिंग

जेसीआर द्वारा भारत की संप्रभु रेटिंग को बेहतर करने से विश्व में यह संकेत गया है कि भारत की आर्थिक बुनियाद अब काफी मजबूत है। बेहतर रेटिंग से संप्रभु जोखिम कम माना जाता है और इससे सरकार, बैंकों और भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कर्ज कम लागत पर मिलने लगता है।

जापानी रेटिंग एजेंसी जेसीआर ने पिछले सप्ताह भारत की संप्रभु साख रेटिंग को बीबीबी (प्लस) से बेहतर करते हुए ए (माइनस) कर दिया है, जिसका मतलब यह है कि एजेंसी के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था का स्थायी आउटलुक है। किसी भी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने 35 वर्षों में पहली बार भारत को इस श्रेणी में रखा है। हालांकि शेष अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा भारत की रेटिंग का पूर्ण आकलन करना अभी बाकी है, जेसीआर द्वारा भारत की रेटिंग के अभ्युत्थान का खासा महत्व है। रेटिंग में सुधार, दुनिया में भारत के लिए निवेश के माहौल को सकारात्मक बनाता है और कंपनियों द्वारा ऋण लेने को सस्ता और सुगम बनाता है। रेटिंग एजेंसियों का पक्षपात : हालांकि भारत सरकार और उससे जुड़े संस्थान, जेसीआर द्वारा बेहतर रेटिंग का श्रेय भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती को दे रहे हैं, लेकिन यह भी सही है कि अभी तक भारत के प्रति रेटिंग एजेंसियों का रवैया कुछ पक्षपातपूर्ण रहा है। गौरतलब है कि भारत लंबे समय से दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। भारत ने आज तक कभी भी अपने ऋणों पर ब्याज या मूल चुकाने में कोताही नहीं की है, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार निरंतर उच्च स्तर पर बने हुए हैं, भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए, प्रतिरक्षा, टेलीकॉम, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतानों सहित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में नए से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

कुछ समय पूर्व भारत जापान को पछाड़ते हुए, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया। भारत का बैंकिंग क्षेत्र भी पूर्व की समस्याओं से निजात पाते हुए आगे बढ़ रहा है, जहां क्रेडिट ग्रोथ 20 प्रतिशत से भी अधिक बनी हुई है। भारतीय बैंकों के एनपीए मार्च 2026 तक मात्र 1.73 प्रतिशत पर पहुंच चुके हैं। लेकिन भारत की तमाम उपलब्धियों के बावजूद ग्लोबल एजेंसियों मूडीज, स्टैण्डर्ड एंड पुअर्स, फिच आदि, द्वारा भारत क्रेडिट रेटिंग में मात्र मामूली ही सुधार किया और अभी भी मूडीज द्वारा भारत की रेटिंग बीएए 3 (स्टेबल), स्टैडर्ड एण्ड पुअर द्वारा बीबीबी (स्टेबल) और फिच द्वारा बीबीबी -(स्टेबल) ही बनी हुई है। पश्चिमी देशों के सुझावों और दबावों से चल रहे तथाकथित आर्थिक सुधारों पर चलने के बावजूद भारत की रेटिंग में लंबे समय तक कोई विशेष सुधार देखने को नहीं मिला। एक ओर जहां 2020 में मूडीज द्वारा कोरोना के कारण भारतीय बैंकों का आउटलुक को स्थायी से गिराकर नकारात्मक कर दिया गया था, जिसके कारण शेयर बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, लेकिन आश्चर्य का विषय यह है कि अमरीकी बैंकों में वित्तीय संकटों के बावजूद इन एजेंसियों ने तमाम जानकारी के बावजूद दुनिया को पता तक नहीं लगने दिया कि उनके निवेश भयंकर संकट में हैं। दिलचस्प बात यह है कि जहां इन रेटिंग एजेंसियों ने कोरोना महामारी के दौरान दुनिया भर की वित्तीय संस्थानों की रेटिंग को गिरा दिया था, लेकिन अपनी ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को उच्च बरकरार रखा था। फाइनेंशियल टाइम्स लिखता है कि 2015 में स्टैंडर्ड एंड पुअर ने स्वयं स्वीकार किया था कि वे बिजनेस पाने के लिए अपने ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को ऊंचा रखते हैं, ऐसे में इन कंपनियों की रेटिंग के वास्तव में कोई मायने नहीं हैं। पिछले कई सालों से भारतीय अर्थव्यवस्था के शानदार प्रदर्शन, जिसमें पिछले 5 वर्षों में 52 लाख करोड़ रुपए इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च हो चुके हैं, भारतीय बैंक संकटों से उबर कर निरंतर प्रगति कर रहे हैं, भारत की जीडीपी पिछले 5 वर्षों में वैश्विक युद्धों, सप्लाई चैन व्यवधानों, अन्य देशों द्वारा करेंसी, वैल्यू चेन, भुगतान प्रणाली आदि के हथियारीकरण के बावजूद औसतन 8 प्रतिशत से ज्यादा तेजी से बढ़ रही है, जहां गरीबी (गरीबी और बहुआयामी गरीबी दोनों) दुनिया में सबसे तेजी से कम हो रही है, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कान पर जूं भी नहीं रेंग रही है। शायद यही कारण है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया कि दुनिया की शीर्ष रेटिंग एजेंसियों में भारत की भी अपनी रेटिंग एजेंसी होनी चाहिए।

भारतवंशियों ने दरकिनार की रेटिंग : एक और जहां ग्लोबल रेटिंग एजेंसियां भारत की प्रगति को अनदेखा करते हुए अर्थव्यवस्था की रेटिंग को जानबूझकर कमतर आंकती रही हैं, विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों ने इस रेटिंग को खारिज कर दिया है। जहां ग्लोबल एजेंसियां भारतीय अर्थव्यवस्था को बीबीबी की रेटिंग दे रही हैं, जो लगभग ह्यजंकह्ण के बराबर है, भारतवंशियों ने 8 जून से 31 अगस्त 2026 के बीच मात्र तीन माह से भी कम समय में 127 अरब डॉलर से भी अधिक विदेशी मुद्रा, विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक जमाओं में भेज दी। जानकारों का मानना है कि ऐसा इसलिए हुआ कि भारतवंशियों ने भारत के केंद्रीय बैंक और व्यावसायिक बैंकों में विश्वास जताया है कि उनकी जमाएं सुरक्षित हैं और उनको ब्याज तथा मूल की अदायगी का कोई खतरा नहीं है। यह सही है कि इस बार रिजर्व बैंक का बैंकों को रुपए के अवमूल्यन के जोखिम से मुक्त करना और इस कारण जमाकताओं को अधिक ब्याज दर देना, एक प्रमुख कारण रहा, जिससे जमाओं में अभूतपूर्व प्राप्ति हो पाई, लेकिन इसके साथ ही इससे यह भी साबित हो गया कि रेटिंग एजेंसियों की पक्षपातपूर्ण रेटिंग, भारतवंशियों के भारत और भारतीय बैंकों के प्रति विश्वास को नहीं डिगा पाई।

क्या हैं जेसीआर की रेटिंग के मुख्य बिंदु : जापानी एजेंसी जेसीआर द्वारा भारत की रेटिंग में बीबीबी प्लस से ए माइनस में बदलाव करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की ओर संकेत किया है। सर्वप्रथम, भारत की लगातार ऊंची जीडीपी ग्रोथ एजेंसी को प्रभावित कर रही है। जहां इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.8 प्रतिशत आंकी गई, पिछले कई वर्षों से यह ग्रोथ 7.00 या उससे अधिक बनी हुई है, जो इस रेटिंग वर्ग के अन्य देशों से कहीं ज्यादा है। दूसरे, भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार भारी निवेश, भविष्य में उत्पादकता और ग्रोथ बढ़ाने की नींव रख रहा है। यानी जापान की जेसीआर रेटिंग एजेंसी भारत की वर्तमान ग्रोथ ही नहीं, भविष्य की ग्रोथ को भी देख रही है। तीसरे, जीएसटी कर सुधार, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, अर्थव्यवस्था का फाउंडेशन और सरकारी खर्च, खासतौर पर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण में पूर्ण पारदर्शिता जैसे संरचनात्मक सुधार एवं बदलाव, भारत को अन्य देशों से अलग एवं उच्च स्थान पर रखते हैं। चौथे, भारत में बैंकिंग व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार, जैसे कि एनपीए का 2 प्रतिशत से भी कम होना, इंसौलवेंसी एवं बैंकरप्सी (दिवालिया) कोड के कारण बैंकों की बैलेंस शीट की सफाई, भारतीय रिजर्व बैंक की व्यावसायिक बैंकों पर सख्त निगरानी आदि कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं जो शायद जानबूझकर अन्य रेटिंग एजेंसियों द्वारा नजरअंदाज की गई, लेकिन जेसीआर उनको अब महत्व दे रहा है। जेसीआर द्वारा भारत की संप्रभु रेटिंग को बेहतर करने से विश्व में यह संकेत गया है कि भारत की आर्थिक बुनियाद अब काफी मजबूत है। बेहतर रेटिंग से संप्रभु जोखिम कम माना जाता है और इससे सरकार, बैंकों और भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कर्ज कम लागत पर मिलने लगता है। इससे पोर्टफोलियो निवेश ही नहीं बल्कि दीर्घकालीन निवेश भी आसानी से प्राप्त हो सकता है। विदेशी निवेशकों का भारत में भरोसा बढ़ सकता है। इस अपग्रेड से भारत की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय विश्वसनीयता भी बेहतर होती है और इससे दूसरी रेटिंग एजेंसियां भी भारत की रेटिंग बेहतर करने की ओर अग्रसर हो सकती हैं। अब भारत को टिकाऊ आर्थिक विकास का लाभ मिल सकता है।

डा. अश्वनी महाजन
पूर्व प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

महंगाई और कर्ज की मार से आम आदमी हलाकान

भारत में कर्ज और महंगाई की मार से आम आदमी बुरी तरह से परेशान है। इसमें कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। उल्टे महंगा कर्ज और ईएमआई बढ़ने से आम आदमी बहुत परेशान हैं। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है महंगाई को देखते हुए रिजर्व बैंक आफ इंडिया आने वाले समय में रेपो रेट और भी बढ़ा सकता है।

रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट बढ़ने का असर सबसे ज्यादा आम आदमियों की ईएमआई और कर्ज के रूप में पड़ेगा। आम आदमी के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। नियमित खर्चे के लिए उसे कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। महंगाई हर महीने बढ़ती चली जा रही है। महंगाई पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। लगता है आम आदमी को कारोबारियों के भरोसे छोड़ दिया गया है। बाजार में मुनाफाखोरी लगातार बढ़ती चली जा रही है। स्टेट बैंक की जो रिपोर्ट जारी हुई है, उसके अनुसार जनवरी 2026 तक 22 वस्तुओं तक महंगाई सीमित थी अब वह बढ़कर 53 वस्तुओं पर पहुंच गई है। पेट्रोल, डीजल, गैस, दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक की लागत बढ़ने से इनकी कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड आइल की कीमत बढ़ने से इसका असर हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ने के तौर पर हो रहा है। हाल ही में खाडी देशों के तीनों मार्गो से जहाजों की आवाजाही बंद है। अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। हुती हमले के बाद स्थितियां और भी नाजुक होती चली जा रही हैं। महंगाई, कर्ज और बेरोजगारी के साथ-साथ अब आर्थिक मंदी का संकट भी बड़ी तेजी के साथ गहरा रहा है। इसका असर वैश्विक स्तर पर हो रहा है। भारत में जिस तरह से महंगाई बढ़ती चली जा रही है, सरकार मुनाफाखोरी और महंगाई को रोकने की दिशा में ऐसा कोई प्रयास करती हुई नहीं दिख रही है, जिससे ऐसा लगे कि सरकार को आम आदमी की चिंता है। जिसके कारण अब आम जनता में तनाव भी देखने को मिल रहा है। भारत में पिछले वर्षों में कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बड़ी है। आम आदमी के ऊपर ब्याज और ईएमआई का दबाव लगातार बढ़ता चला जा रहा है, ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक की रेपो रेट को बढ़ाने से इसका असर गरीब और मध्यम वर्ग पर बड़े पैमाने पर होगा। महंगाई के कारण आम आदमी अपने रोजाना के खाने-पीने के खर्च और शिक्षा के खर्चे पूरे नहीं कर पा रहा है। महंगाई के कारण किचन में तेल और जरूरी सामान कम होते चले जा रहे हैं। बच्चों को पोषण आहार भी नहीं मिल पा रहा है।

लोगों को लगता था सरकार महंगाई और मुनाफाखोरी पर नियंत्रण करेगी, लेकिन नियंत्रण के स्थान पर जिस तरह से कीमत बढ़ रही है और ब्याज दर भी बढ़ती चली जा रही है। ईएमआई में डिफॉल्ट होने के कारण एनबीएफसी कंपनियों और बैंकों द्वारा मनमाना ब्याज और जुमार्ना वसूल किया जा रहा है। जिसके कारण आम आदमी की नाराजी लगातार बढ़ती चली जा रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त कार्रवाई करने की जरूरत है। जिस तरीके से लोग परेशान हैं, महंगाई के कारण रोजाना तनाव मे जीना पड़ रहा है। जरूरी खर्च के लिए अब उसे कर्ज भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है। महंगाई और मुनाफाखोरी दोनों पर ही समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो हालत बद से बदतर हो सकते हैं। जिस तरह के हालात 1975 में बने थे। इस तरह के हालात अब बनते हुए दिख रहे हैं। जिन्होंने आपातकाल के पहले की महंगाई और मुनाफाखोरी को देखा है। उस समय के लोगों का कहना है, वर्तमान हालात उससे भी खराब हैं। स्थितियां अभी भी नियंत्रण में नहीं है। कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, कहा जा रहा है कि 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में महंगाई को काबू में कर पाना सरकार के लिए और भी मुश्किल होगा। बेरोजगारी और काम नहीं होने के कारण आम आदमी की हालत वैसे ही खराब है। महंगाई ने जीना पूरी तरह से हराम कर दिया है। छोटे बच्चों को अब दूध भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है।

लेखक- सनत जैन

बॉक्स आफिस पर जलवा बना रही है हनुमान अंश

हनुमान अंश फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर सफलता वाकई बाबा नीबकरोली के चमत्कार का सबूत बन गयी है। महज 2 करोड़ से भी कम के सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने शुरुआती फीके रिस्पॉन्स के बाद बॉक्स ऑफिस पर जो ऐतिहासिक वापसी की है, उसने ट्रेड एनालिस्ट्स से लेकर बड़े-बड़े फिल्म मेकर्स को हैरान कर दिया है। कभी फिल्म को ठुकराने वाला ओटीटी प्लेटफॉर्म अब अपनी गलत असेसमेंट पर पश्चाताप कर रहा है और फिल्म के राइट खरीदने के लिए मोटा आफर कर रहा है।

नीब करौली बाबा के पावन जीवन पर आधारित फिल्म हनुमान अंश ने अपने 37वें दिन तक दुनियाभर में 236.50 करोड़ का कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। महज 2 करोड़ के बेहद कम बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अपने बजट से 100 गुना से भी ज्यादा की कमाई कर चुकी है। रिलीज के 30 दिनों के भीतर इस फिल्म ने भारत में 100करोड़ से अधिक का नेट कलेक्शन किया था, जो इसकी लागत का कई गुना था।

अध्यात्मिक संत बाबा नीबकरोली का जीवन चमत्कारों से भरा रहा। इसी के चलते 1950 से 1970 तक के दशकों में बाबा नीबकरोली के लाखों भक्त अनुयायी बने इनमें सैकड़ों की तादाद में विदेशी भक्त भी शामिल थे कई विदेशी भक्तों को प्रथम भेंट में ही बाबा ने अपनी कृपा दृष्टि से ड्रग्स के जहरीले नशे से जीवन भर के लिए मुक्त कर दिया उनके जीवन से स्टीव जाब्स और मार्क जुकरबर्ग जैसे आइटी फिल्ड के दिग्गजों ने प्रेरणा ली और अपने क्षेत्र में क्रांतिकारी उपलब्धियां दर्ज की। बाबा नीम करौली के प्रति अगाध आस्था का ही परिणाम है कि इस फिल्म को उम्मीद से ज्यादा सफलता मिल गई है। यह फिल्म आध्यात्मिक संत नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। उत्तर भारत सहित देश-विदेश में बाबा के करोड़ों भक्त हैं। दर्शकों के लिए यह केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव (सत्संग) बन गई है, जिससे लोग भावनात्मक रूप से जुड़ गए।

डॉ. विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म हनुमान अंश बॉक्स ऑफिस पर नए इतिहास रच रही है। सिर्फ 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने वर्ड ऑफ माउथ के चलते शानदार कमाई के कीर्तिमान रचे हैं। फिल्म को रिलीज हुए 37 दिन हो चुके हैं, आइए जानते हैं एक महीना पूरा होने पर फिल्म ने क्या इतिहास रचा है?

2 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म हनुमान अंश इस समय वो कर रही है, जो कुछ बड़ी बजट की फिल्में करने का सपना देखती हैं. बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म किसी आंधी की तरह आई है, जो अपने साथ कई रिकॉर्ड भी तोड़ रही है. फिल्म हनुमान अंश लोगों का दिल जीतते हुए नेट 236 करोड़ का आंकड़ा लगभग छू गई है. अपने पांचवे शनिवार को भी इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की. नीम करोली बाबा की जिंदगी पर आधारित ये फिल्म इस समय इतिहास रच चुकी है. इसके गाने भी सबके दिलों में उतर चुके हैं.

इस फिल्म को बनाने वाली फिल्ममेकर सिर्फ 21 साल आयु की अनुप्रिया नागर के हनुमान अंश बनाने के पीछे स्टीव जॉब्स का एक अनूठा कनेक्शन है। अमेरिका में इकोनॉमिक्स की पढ़ाई के दौरान, अनुप्रिया इस बात पर रिसर्च कर रही थीं कि बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों और उनके फाउंडर्स को अपने आइडिया कैसे मिले। इसी दौरान उन्हें एप्पल के दिवंगत को-फाउंडर और नीम करौली बाबा के बीच एक कनेक्शन का पता चला। इस खोज ने आखिरकार अनुप्रिया की जिंदगी की दिशा ही बदल दी। अनुप्रिया ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने कभी फिल्म बनाने का प्लान नहीं बनाया था। उनका असल प्लान यूके में इकोनॉमिक्स की डिग्री पूरी करने के बाद स्विट्जरलैंड जाकर आर्ट इंडस्ट्री में नौकरी करने का था। अनुप्रिया, जो आर्ट इंडस्ट्री में नौकरी के लिए स्विट्जरलैंड जाने की तैयारी कर रही थीं, भारत लौट आईं और बाद में फिल्ममेकर विशाल चतुर्वेदी से मिलीं, जो नीम करौली बाबा पर एक फिल्म बना रहे थे। उन्होंने बताया कि बाकी सब कुछ इत्तेफाक से हुआ। इस तरह विशाल चतुर्वेदी से मिलने के बाद अनुप्रिया नागर ने हनुमान अंश प्रोड्यूस की और भारत की सबसे प्रॉफिटेबल फिल्मों में से एक बनाने वाली फिल्ममेकर बन गई।

हनुमान अंश फिल्म में शोभिनव सत्या और चंदन आनंद मुख्य भूमिकाओं में हैं। पहली फिल्म आजादी से पहले के भारत में लक्ष्मी नारायण नाम के एक युवा लड़के के शुरूआती जीवन की कहानी दिखाती है। अपनी मां की मौत के बाद वह भगवान की खोज में घर छोड़ देता है और फिर उत्तर भारत की यात्रा करते हुए नीम करौली बाबा के रूप में बदल जाता है। सुनील लोधी, जो बुंदेलखंड के एक नेत्रहीन सिंगर हैं उनका गाया हुआ भजन मैंने तेरे ही भरोसे खूब सुना जा रहा है. इस फिल्म की सक्सेस से वो इमोशनल भी हो गए हैं. एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने फिल्म हनुमान अंश पर खुलकर बात की.

सुनील लोधी बचपन से ही देख नहीं सकते हैं और उन्होंने कभी संगीत की कोई औपचारिक ट्रेनिंग भी नहीं ली. वो बताते हैं कि उन्होंने किसी गुरु से संगीत नहीं सीखा. वो सिर्फ लता मंगेशकर के गाने सुन-सुनकर गाना सीखते रहे और गांव में होने वाले भजन-कीर्तन में गाते थे. बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर बुंदेली लोकगीत और भजन पोस्ट करना शुरू किया साल 2019 में उनके एक बुंदेली गाने को लोगों का खूब प्यार मिला. इसके बाद वो मुंबई गए, जहां उनकी मुलाकात हनुमान अंश के डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी से हुई और उन्हें फिल्म में गाने का मौका मिला. हालांकि हनुमान अंश से पहले सुनील लोधी का एक भजन मोरे संकट के कटैया काफी पॉपुलर हो चुका था. उन्होंने बताया- एक बार झांसी की ट्रेन में मेरे कुछ फैंस ने मुझे तानपुरा लिए देखा और गाना सुनाने को कहा. मैंने वहीं मोरे संकट के कटैया गाया. बाद में इस गाने को रिकॉर्ड किया गया और ये खूब वायरल हो गया।

सुनील लोधी का कहना है कि पहले गांव में लोग उनसे बात करने से भी कतराते थे, लेकिन अब फिल्म हनुमान अंश की सक्सेस के कारण वही लोग उन्हें देखकर मुस्कुराकर बात करते हैं. उन्हें लगता है कि ये सब हनुमान जी के आशीर्वाद से हुआ है. उन्होंने अपनी सफलता को 100% हनुमान जी का चमत्कार बताया.

उन्होंने कहा- जैसे हनुमान अंश को शुरूआत में ज्यादा दर्शक नहीं मिले, वैसे ही मेरे भजन को भी पहले डेढ़ महीने तक ज्यादा व्यूज नहीं मिले थे. फिर अचानक एक रील के बाद गाना तेजी से लोकप्रिय हो गया. ये सबकुछ हनुमान जी के आशीर्वाद का कमाल है. मैं चाहता हूं कि मुझे हनुमान जी और धार्मिक विषयों पर बनने वाली फिल्मों और शोज में भजन गाने के और मौके मिलें.

इतना तय है कि निश्छल भक्ति सकारात्मक सोच और प्रयास कितना बड़ा परिणाम दे सकते हैं इस का कयास भी नहीं लगाया जा सकता है हनुमान अंश बाबा नीबकरोली के साक्षात चमत्कार की साक्षी बन रही है और यह हम सब महसूस ही नहीं कर रहे प्रत्यक्ष देख रहे हैं लाखों दर्शक सिने स्क्रीन पर खिंचे चले आ रहे हैं और बाबा के जीवन से प्रेरणा ले कर भीतर एक स्व:स्फूर्त चेतना का अनुभव कर रहे हैं।

लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

आलेख

मानसिक स्वास्थ्य की पहली चौखट बनता एआई

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे बड़ी चुनौतियों में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में सेवाओं का अभाव, उपचार की लागत तथा मानसिक बीमारी से जुड़ा सामाजिक कलंक शामिल हैं। ऐसे वातावरण में एआई की चौबीसों घंटे उपलब्धता महत्वपूर्ण अवसर पैदा करती है। व्यक्ति जब चाहे अपनी समस्या साझा कर सकता है और प्रारंभिक स्तर पर जानकारी, भावनात्मक सहारा तथा स्व-सहायता संबंधी सुझाव प्राप्त कर सकता है। एआई आधारित डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म इस दिशा में उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति सामाजिक झिझक भी एआई के उपयोग को बढ़ावा दे सकती है। अनेक लोग परिवार, मित्र या चिकित्सक के सामने अपनी भावनाएं व्यक्त करने में संकोच करते हैं। अपेक्षाकृत गुमनाम डिजिटल बातचीत उन्हें अपनी चिंता, डर और परेशानियों को शब्द देने का अवसर देती है। इस प्रकार चैटबॉट मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संवाद की पहली सीढ़ी बन सकते हैं और व्यक्ति को आवश्यकता होने पर आगे पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

एआई का एक महत्वपूर्ण लाभ शुरूआती स्क्रीनिंग में भी है। व्यक्ति के संवाद, व्यवहार और कुछ डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करके एआई संभावित चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की पहचान में सहायता कर सकता है। हालांकि ऐसी स्क्रीनिंग को अंतिम चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल संभावित जोखिम को पहचानकर व्यक्ति को उचित विशेषज्ञ तक पहुंचाने में सहायता करना होना चाहिए।

भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए बहुभाषी एआई तकनीक भी विशेष महत्व रखती है। यदि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और प्रारंभिक सहायता केवल अंग्रेजी या कुछ सीमित भाषाओं तक रहेगी, तो बड़ी आबादी इससे बाहर रह जाएगी। भाषा-तकनीक और भारतीय भाषाओं के लिए विकसित डिजिटल प्रणालियां इस अंतर को कम कर सकती हैं। भविष्य में ऐसी सेवाओं को टेली-मानस जैसी सरकारी मानसिक स्वास्थ्य पहलों के साथ जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रारंभिक सहायता पहुंचाई जा सकती है।

व्यक्तिगत सहायता भी एआई की एक उपयोगी विशेषता हो सकती है। दवा लेने की याद दिलाना, नींद और दिनचर्या पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना, तनाव कम करने के अभ्यास सुझाना या संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा आधारित संरचित स्व-सहायता गतिविधियों में मार्गदर्शन देना कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एआई सहयोगी भूमिका निभा सकता है। चिकित्सकों के लिए भी एआई मरीजों की नियमित निगरानी, जोखिम वाले मामलों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में सहायक हो सकता है। इससे सीमित मानव संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव हो सकता है।

लेकिन अवसरों के साथ जोखिम भी गंभीर हैं। भावनात्मक संकट में व्यक्ति अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में होता है। यदि एआई गलत, अधूरी या संदर्भहीन जानकारी देता है तो वह व्यक्ति की समस्या को और बढ़ा सकता है। किसी नकारात्मक या भ्रमपूर्ण धारणा को चुनौती देने के बजाय चैटबॉट अनजाने में उसे मजबूत कर दे, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एआई सिस्टम में सामान्य सूचना देने वाले चैटबॉट और चिकित्सकीय सहायता देने वाले प्रमाणित उपकरणों के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए।

सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब व्यक्ति एआई को वास्तविक चिकित्सक का विकल्प समझने लगता है। लगातार बातचीत के कारण भावनात्मक निर्भरता भी विकसित हो सकती है। व्यक्ति यह मान सकता है कि मशीन उसकी भावनाओं को पूरी तरह समझती है, जबकि एआई के पास मानवीय अनुभव, नैतिक निर्णय, नैदानिक विवेक और वास्तविक सामाजिक संदर्भ को समझने की सीमाएं हैं।

आत्महत्या या आत्महानि जैसे संकटपूर्ण मामलों में यह सीमा और अधिक गंभीर हो जाती है। व्यक्ति हमेशा सीधे शब्दों में अपनी स्थिति व्यक्त नहीं करता। उसके संकेत अप्रत्यक्ष, अस्पष्ट या सांस्कृतिक संदर्भों में छिपे हो सकते हैं। यदि एआई ऐसी चेतावनियों को पहचानने में विफल रहता है या समय पर मानवीय सहायता से नहीं जोड़ता, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उच्च जोखिम वाले मामलों में चैटबॉट को बातचीत जारी रखने के बजाय प्रशिक्षित व्यक्ति, हेल्पलाइन या आपातकालीन सेवा की ओर तत्काल मार्गदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए।

गोपनीयता भी एक बड़ी चिंता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातचीत अत्यंत निजी होती है। व्यक्ति अपनी भावनाएं, पारिवारिक परिस्थितियां, संबंध, भय और व्यक्तिगत अनुभव डिजिटल प्रणाली के साथ साझा कर सकता है। ऐसे संवेदनशील डेटा का संग्रह, भंडारण, उपयोग और साझा किया जाना स्पष्ट नियमों तथा मजबूत डेटा सुरक्षा के अधीन होना चाहिए। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण संबंधी व्यवस्था के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य डेटा के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, एआई में मौजूद एल्गोरिद्मिक पक्षपात भी चिंता का विषय है। भारत की भाषाई, सांस्कृतिक, लैंगिक और सामाजिक विविधता इतनी व्यापक है कि एक ही मॉडल सभी समुदायों की मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समान रूप से नहीं समझ सकता। किसी एक भाषा, वर्ग या सांस्कृतिक संदर्भ पर आधारित प्रशिक्षण से तैयार प्रणाली दूसरे समुदाय के लिए अनुपयुक्त सलाह दे सकती है।

इसलिए आगे का रास्ता एआई को रोकना नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी के साथ विकसित करना है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एआई प्रणालियों के लिए स्वतंत्र नैदानिक परीक्षण, नियमित सुरक्षा ऑडिट, स्पष्ट जवाबदेही और संकट-स्थिति में मानव विशेषज्ञ तक पहुंचाने के अनिवार्य प्रोटोकॉल होने चाहिए। उच्च जोखिम वाले मामलों में मानव हस्तक्षेप को वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। साथ ही, डिजाइन के स्तर पर ही गोपनीयता, डेटा न्यूनतमकरण और सुरक्षित उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारत में एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहली चौखट को व्यापक बना सकता है। वह उस व्यक्ति तक पहुंच सकता है जो दूरी, खर्च, भाषा या सामाजिक कलंक के कारण चिकित्सक तक नहीं पहुंच पा रहा। लेकिन पहली चौखट और अंतिम मंजिल में अंतर है। मानसिक स्वास्थ्य केवल सूचना या बातचीत का विषय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, नैदानिक समझ और निरंतर देखभाल का क्षेत्र है। इसलिए भविष्य की सही दिशा ह्यएआई बनाम चिकित्सकह्ण नहीं, बल्कि ह्यएआई के साथ चिकित्सकह्ण होनी चाहिए। तकनीक पहुंच का विस्तार करे, प्रारंभिक संकेत पहचाने और सहायता की राह आसान बनाए; अंतिम निर्णय और देखभाल में प्रशिक्षित मानव विशेषज्ञ केंद्र में रहें। यही संतुलन भारत में सुरक्षित, सुलभ और मानवीय मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दिल्ली सरकार के 10 हजार विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल निर्माण का फैसला स्वागतयोग्य: अभाविप

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) दिल्ली सरकार द्वारा 10 हजार विद्यार्थियों की क्षमता वाले हॉस्टल के निर्माण के निर्णय का स्वागत करती है। दिल्ली देशभर के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है, ऐसे में विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुलभ और किफायती आवास उपलब्ध कराना लंबे समय से एक महत्वपूर्ण आवश्यकता रही है।

अभाविप लगातार दिल्ली में पीजी एवं छात्रावासों की संख्या बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाती रही है।

सत्य निकेतन की घटना के बाद दिल्ली में विद्यार्थियों के आवास की सुरक्षा व्यवस्था और निर्धारित सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई थीं। ऐसे में नए हॉस्टल के निर्माण के साथ अग्निसुरक्षा, आपातकालीन निकासी, पर्याप्त वेंटिलेशन, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा, दिल्ली में विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त और सुरक्षित छात्रावास उपलब्ध कराना अभाविप की लंबे समय से चली आ रही प्रमुख मांग रही है। आगामी डूसू चुनाव के लिए अभाविप द्वारा जारी घोषणापत्र में भी विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल की संख्या बढ़ाने और सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय सुविधाएं सुनिश्चित करने को प्रमुखता से शामिल किया गया है।

उन्होंने आगे कहा, ऐसे में दिल्ली सरकार द्वारा 10 हजार विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल निर्माण का निर्णय अभाविप की इस लंबे समय से चली आ रही मांग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और हम इसका स्वागत करते हैं। हम अपेक्षा करते हैं कि इस निर्णय को शीघ्र धरातल पर उतारा जाएगा तथा हॉस्टल में सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे दिल्ली आने वाले विद्यार्थियों को सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर आवासीय सुविधा मिल सके।

संक्षिप्त वार्ता

जिमखाना क्लब के सदस्यों को हाईकोर्ट जाने की अनुमति

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली जिमखाना क्लब के 11 सदस्यों को दिल्ली हाईकोर्ट जाने की इजाजत दे दी। इन सदस्यों ने केंद्र सरकार के उस फैसले को चुनौती दी थी जिसके तहत क्लब की 27.3 एकड़ जमीन और बिल्डिंग को अपने कब्जे में लेने और उसके बाद खाली कराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इन 11 सदस्यों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ को बताया कि अभी क्लब का मैनेजमेंट केंद्र सरकार की बनाई एक कमेटी संभाल रही है और वह सरकार के खिलाफ कानूनी लड़ाई नहीं लड़ सकती।

सिंह ने कहा कि सरकार की बनाई कमेटी ने चुनाव कराने और चुने हुए लोगों को नियंत्रण सौंपने के लिए एनसीएलएटी की तय समय-सीमा से ज्यादा समय ले लिया है और यह क्लब पर कब्जा करने की एक गलत नीयत वाली कोशिश है। उन्होंने कहा कि यहां, लीज देने वाला और लीज लेने वाला, दोनों ही सरकार के नियंत्रण में हैं। इन दलीलों पर ध्यान देते हुए, पीठ ने विपिन अग्रवाल और क्लब के 10 अन्य सदस्यों की याचिका का निपटारा कर दिया और उन्हें यह छूट दी कि वे या तो दिल्ली हाईकोर्ट में नई याचिका दायर करें या फिर खाली कराने की कार्रवाई से जुड़े लंबित मामले में खुद को पक्षकार बनाएं।

रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को मिलेगी डिजीटल लॉकर की सुविधा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली के चार प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर डिजीटल लॉकर की सुविधा शुरू की गई है। उत्तर रेलवे के इन चार प्रमुख रेलवे स्टेशनों में नई दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली जंक्शन और आनंद विहार टर्मिनल शामिल हैं।

उत्तर रेलवे के मुख्य प्रवक्ता हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार वाणिज्यिक पहल के तहत प्रदान की गई यह सुविधा यात्रियों को सामान को अस्थायी रूप से रखने (स्टोरेज) के लिए एक सुरक्षित, सुविधाजनक और परेशानी मुक्त विकल्प है। इन लॉकरों में सामान रखने एवं उसे निकालने के लिए ओटीपी का इस्तेमाल होगा। इससे यात्री अपनी प्रतीक्षा अवधि या स्टेशन से बाहर भ्रमण के दौरान भारी सामान उठाए बिना अपना सामान सुरक्षित रूप से रख और वापस निकाल सकते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से पर्यटकों, ट्रेनों के बीच लंबी प्रतीक्षा अवधि वाले यात्रियों और भारी सामान के साथ यात्रा करने वालों के लिए उपयोगी होगी।

दिल्ली की 53 फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के लिए 427 सहायक पद मंजूर

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने राजधानी में स्थापित 53 फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के प्रभावी संचालन के लिए 427 सहायक पदों के सृजन को मंजूरी दी है। इन पदों पर रीडर, वरिष्ठ न्यायिक सहायक, आशुलिपिक, अहलमद, चालक और मल्टी टास्किंग स्टाफ शामिल होंगे। इन पदों के सृजन से 53 फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के कामकाज को गति मिलने की उम्मीद है।

स्वीकृत पदों में 58 रीडर या वरिष्ठ न्यायिक सहायक, 58 वरिष्ठ निजी सहायक (आशुलिपिक), 58 निजी सहायक (आशुलिपिक), 58 अहलमद या न्यायिक सहायक, 58 सहायक अहलमद या कनिष्ठ न्यायिक सहायक, 20 स्टाफ कार चालक और 117 मल्टी टास्किंग स्टाफ शामिल हैं। इन पदों में विभिन्न श्रेणियों के लिए 10 फीसदी अवकाश आरक्षित पद भी शामिल हैं। प्रस्ताव की प्रशासनिक सुधार विभाग ने कानून विभाग के साथ विचार-विमर्श के बाद जांच की थी। इसके बाद वित्त विभाग ने प्रस्ताव से जुड़े वित्तीय भार की समीक्षा की। कुल 37.37 करोड़ रुपये के वित्तीय भार वाले प्रस्ताव पर वित्त विभाग ने सहमति दी है। हालांकि, नए पदों को प्रभावी करने से पहले मौजूदा 415 अदालतों में खाली पड़े 243 सहायक पदों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द भरने की शर्त रखी गई है। इसके बाद ही नए पदों को संचालन में लाया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में नवंबर-दिसंबर में स्कूलों के खेल आयोजन नहीं होंगे

सीएक्यूएम ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एडवाइजरी जारी करते हुए एनसीआर के सभी राज्यों- दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान को निर्देश दिया है कि नवंबर और दिसंबर के महीने में कोई भी फिजिकल स्पोर्ट्स एक्टिविटी या कॉम्पिटिशन शेड्यूल न किया जाए।

आयोग ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि ये फैसला सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सी मेहता बनाम भारत संघ मामले की सुनवाई के दौरान चिंता जताई थी कि खराब हवा में बच्चों के खेलने से उनकी सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है। कोर्ट ने 19 नवंबर 2025 को आयोग से कहा था कि स्कूलों के स्पोर्ट्स आयोजन को आगे किसी और महीने में आयोजित किया जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए आयोग ने 2026 के लिए भी यही एडवाइजरी दोहराई है।

आयोग की एडवाइजरी में कहा गया है कि अगर नवंबर-दिसंबर में कोई स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन पहले से तय है, तो उसे री-शेड्यूल किया जाए। री-शेड्यूल होने की वजह से जो छात्र हिस्सा नहीं ले पाएं, उन्हें कोई नुकसान न हो, इसका ध्यान रखा जाए। सरकारें बच्चों के लिए बाद में वैकल्पिक अवसर तलाशें, ताकि उनकी सेहत और पढ़ाई दोनों से समझौता न हो।

आयोग ने कहा है कि नवंबर-दिसंबर में पहले से तय खेल प्रतियोगिताओं को दूसरी तारीख पर कराया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि तारीख बदलने के कारण किसी छात्र को प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका न गंवाना पड़े। आयोग ने संबंधित सरकारों से बच्चों के लिए बाद में वैकल्पिक खेल अवसर उपलब्ध कराने को भी कहा है। इसका उद्देश्य बच्चों की सेहत को प्रदूषण से बचाने के साथ उनकी पढ़ाई और खेल गतिविधियों को भी प्रभावित होने से रोकना है।

विजेंद्र गुप्ता 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में हुए शामिल

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में आयोजित 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन के अंतर्गत वैश्विक सांसदों के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। सम्मेलन की कार्यवाही के तहत गुप्ता संसाधन-सीमित संसदों में समावेशिता के उपायों को लागू करना विषय पर आयोजित संयुक्त नेटवर्क कार्यशाला में प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। अपने संबोधन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता संसाधन-सीमित परिस्थितियों में लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देने, दिव्यांगजनों की भागीदारी तथा संसदों को सभी के लिए अधिक सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार और अनुभव साझा करेंगे।

भाजपा नेता अनिल शर्मा के अवैध पीजी पर कार्रवाई से बच रही एमसीडी : सौरभ भारद्वाज

नयी दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक अनिल शर्मा पर सत्य निकेतन में अवैध पीजी संचालित करने और सरकारी जमीन पर कब्जा करने के आरोप लगाए हैं।

श्री भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि श्री शर्मा के रसूख के चलते दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उनके अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि चार साल पहले भी उनके खिलाफ शिकायत की गई थी लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आप प्रदेश अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अंबेडकर कल्याण समिति ने करीब चार साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लिखित शिकायत देकर सत्य निकेतन और मोती बाग में सरकारी जमीन पर कब्जा करने तथा अवैध पीजी निर्माण का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि सितंबर 2022 में आप विधायक की ओर से भी यही शिकायत दिल्ली के उपराज्यपाल और निगम को भेजी गई थी। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हुई।

आप नेता ने आरोप लगाया कि पिछले 20 वर्षों से निगम पर भाजपा का प्रभावी शासन होने के कारण भाजपा विधायक के अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि सत्य निकेतन में श्री शर्मा के अवैध पीजी से जुड़े सबूत सामने आने के बाद भी निगम कार्रवाई से बच रहा है। भारद्वाज ने कहा कि अवैध निर्माण एमसीडी के अधिकार क्षेत्र में आता है और निगम को इस मामले में निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि निगम, डीडीए और दिल्ली पुलिस को मामले की जांच करनी चाहिए तथा सरकारी जमीन पर किसी भी तरह के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाती है लेकिन अपने नेताओं के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होती।

कंझावाला मामले में दिल्ली भाजपा करेगी अनुशासनात्मक कार्रवाई, दोनों पक्षों को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के कंझावला में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार के साथ कथित मारपीट के मामले में दिल्ली प्रदेश भाजपा ने मुंडका के विधायक गजेंद्र दराल और पीड़ित मंडल अध्यक्ष दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

कंझावला मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार ने मुंडका से भाजपा विधायक गजेंद्र दराल और अन्य पर मीटिंग के बहाने कार्यालय बुलाकर बेरहमी से पीटने का गंभीर आरोप लगाया है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने मंगलवार को कहा कि उत्तर पश्चिम संसदीय क्षेत्र में हुई इस घटना के संबंध में प्रदेश नेतृत्व के संज्ञान में जानकारी आई है। प्रदेश नेतृत्व ने मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय सांसद और जिलाध्यक्ष से बातचीत की है। इसके बाद संबंधित विधायक एवं मंडल अध्यक्ष को पत्र जारी कर 16 सितंबर को दोपहर तीन बजे तक दिल्ली भाजपा की अनुशासन समिति के समक्ष अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि मामले को दिल्ली भाजपा की अनुशासन समिति को सौंप दिया गया है। समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों में से कोई भी पुलिस अथवा कानूनी कार्रवाई की मांग के लिए स्वतंत्र है। पार्टी स्तर पर मामले में अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति की रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

...देने को कहा गया है

इस संबंध में दिल्ली प्रदेश भाजपा के महामंत्री विष्णु मित्तल ने विधायक और मंडल अध्यक्ष को नोटिस भेजा है। दोनों नेताओं को 16 सितंबर तक प्रदेश अनुशासन समिति के समक्ष पेश होकर या लिखित रूप में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया है।

राजस्थान नगर निकाय चुनाव में भाजपा की जीत पर हर्ष मल्होत्रा ने जताई खुशी

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। केंद्रीय राज्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने राजस्थान नगर निकाय चुनाव में भाजपा के 4200 निकाय उम्मीदवार की जीत पर खुशी जाहिर की। उन्होंने इस चुनावी सफलता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों और सुशासन की जीत बताया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि राजस्थान नगर निकाय चुनाव के नतीजे कल गणेश चतुर्थी के दिन आये और इनमे भारतीय जनता पार्टी को बड़ी विजय मिली है जो एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों में देश के विश्वास को प्रमाणित करती है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि राजस्थान का लोकतांत्रिक इतिहास रहा है नगर निकाय चुनावों में अधिकाधिक निर्दलीय निर्वाचित करने का पर इस बार राजस्थान के लोगों ने लगभग 4200 निकाय उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी के चुन कर एक नया इतिहास बनाया है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कोटा जो राजस्थान का उभरता हुआ युवा शहर है में भाजपा का नगर निगम में बहुमत हो या फिर राजधानी जयपुर में भाजपा का जीतना हो या स्पष्ट करता है की सभी विपक्षी राजनीतिक दलों के मिलजुल कर किये जा रहे षड्यंत्र के बाद भी देश का युवा, शिक्षित वर्ग, व्यपारी वर्ग खासकर महिलाएं भारतीय जनता पार्टी के साथ हैं और आगे भी रहेंगे।

स्पाइसजेट की दुबई की दो उड़ानों में काफी देरी होने पर यात्रियों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) पर एक बार फिर विमान के उड़ान में देरी के कारण यात्रियों ने हंगामा किया और लगातार हो रही देरी को लेकर वह धरना पर बैठ गए। सोशल मीडिया पर दिल्ली हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट के करीब 200 यात्रियों ने सोमवार से दुबई की उनकी उड़ानों का कई बार समय बदले जाने एवं बहुत ज्यादा देरी होने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

सोशल मीडिया पर भी लोगों ने इसकी आलोचना की है। यात्रियों की परेशानी, धरना देने सहित कर्मचारियों के यात्रियों के बहस का भी वीडियो वायरल हो रहा है। लोगों ने एयरलाइंस से जुड़े अपने खराब अनुभव भी साझा किया। एक वीडियो में यात्री फर्श पर बैठे हैं जबकि एक अन्य वीडियो में एक कर्मचारी यात्रियों से वीडियो बनाने के लिए मना कर रहा है। धीरे धीरे यात्रियों का वीडियो अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी वायरल हो गया और लोगों ने इस पर शिकायत भरे कमेंट किए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को दुबई के लिए दो उड़ानें -एसजी 5111 और एसजी 5105 - क्रमशः सुबह और शाम को रवाना होने वाली थीं, लेकिन उनके प्रस्थान का समय बदल दिया गया। ऐसे में कई यात्री हवाई अड्डे पर फंस गए। थोड़ी थोड़ी देर पर उड़ान के समय में परिवर्तन के कारण यात्रियों ने विरोध शुरू कर दिया। लंबे समय से यात्री चेकइन के लिए टर्मिनल तीन पर इंतजार करते रहे। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा कि स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली दो उड़ानों में 24 घंटे से ज्यादा की देरी होने से यात्रियों का धैर्य जवाब दे रहा है। एक उड़ान को कल सुबह रवाना होना था, लेकिन वह अभी तक उड़ान नहीं भर सकी थी। दूसरी उड़ान कल रात के लिए निर्धारित थी, वह भी एयरपोर्ट पर ही खड़ी रही। बार-बार उड़ान टलने से यात्री परेशान हो गए और उन्होंने टर्मिनल पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने लिखा कि प्रदर्शन के समय तक स्पाइसजेट ने देरी को लेकर सार्वजनिक रूप से विस्तृत कारण नहीं बताया था। यात्रियों ने उड़ान के रवाना होने का निश्चित समय बताने, भोजन उपलब्ध कराने और नियमों के तहत जहां जरूरी हो वहां होटल की व्यवस्था करने की मांग की।

एयरलाइन प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि दिल्ली से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की उड़ानों--एसजी 5111 और एसजी 5105 में परिचालन कारणों से देरी हुई है, क्योंकि एक विमान को रोक दिया गया था। प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों का इंतजाम किया जा रहा है। एअरलाइन यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम से कम करने की हरसंभव कोशिश कर रही है। यात्रियों के विरोध के बाद दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने अपने एक्स हैंडल पर बयान जारी कर उड़ानों में व्यवधान की बात कही। डायल ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताते हुए कहा कि एयरपोर्ट की टीमें प्रभावित यात्रियों की सहायता के लिए एयरलाइन और संबंधित पक्षों के साथ लगातार समन्वय कर रही हैं।

डायल के मुताबिक, यात्रियों की परेशानी कम करने के लिए खाने-पीने की सुविधा और जरूरी सहायता की व्यवस्था की गई है।

प्रिंटर देखने के बहाने घर में घुसे हमलावर, महिला पर छह गोलियां बरसाईं

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। पश्चिमी दिल्ली के नंगली एक्सटेंशन में पत्नी की हत्या की साजिश रचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि सरकारी विद्यालय में शिक्षक पति ने पत्नी की हत्या के लिए अपने बचपन के दोस्त को 3.5 लाख रुपये की सुपारी दी। साजिश के तहत दो हमलावर प्रिंटर देखने के बहाने महिला के घर में दाखिल हुए और करीब 40 मिनट बाद उस पर 6 गोलियां चला दीं। हमले में महिला को 3 गोलियां लगीं। गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई।

वेतन बढ़ोतरी, मेडिकल सुविधा की मांग के लिए बस ड्राइवरों ने की हड़ताल

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। डीटीसी और परिवहन विभाग के बेड़े में शामिल प्राइवेट ऑपरेटर्स की बसों के ड्राइवरों ने मंगलवार सुबह हड़ताल कर दी। वेतन बढ़ोतरी, मेडिकल सुविधा, सालाना बोनस और ओवर टाइम का भुगतान समेत कई मुद्दों को लेकर ड्राइवर काम बंद कर सड़कों पर उतर आए। बुराड़ी, दिलशाद गार्डन, केशोपुर, ग्रेटर कैलाश, झिलमिल समेत अधिकांश डिपो में हड़ताल हो जाने और बसों के सड़कों पर न निकलने की वजह से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्हें मेट्रो, ऑटो और अन्य वैकल्पिक परिवहन साधनों से यात्रा करनी पड़ी।

ड्राइवरों का कहना है कि 10-15 साल का अनुभव होने के बावजूद उन्हें अकुशल श्रमिकों की तरह दैनिक वेतन दिया जा रहा है। उन्हें प्रतिदिन 862 रुपये वेतन दिया जा रहा है, जबकि इसी काम के लिए डीटीसी के स्थायी ड्राइवरों को 50-60 हजार से ज्यादा वेतन दिया जा रहा है। उनका कहना है कि इन बसों के ड्राइवरों को न तो मेडिकल सुविधा दी जा रही है और न ही ओवर टाइम का भुगतान किया जा रहा है। 8 घंटे की बजाय 10 से 11 घंटे ड्यूटी कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों ने अपनी मांगों को लेकर बस ऑपरेटर्स और डिपो के अधिकारियों से कई बार वार्ता की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद मंगलवार से हड़ताल का फैसला लिया गया।

दिल्ली के कुछ डिपो में सुबह की शिफ्ट में ड्राइवर बसों को लेकर निकल गए थे, लेकिन दोपहर तक सभी डिपो में हड़ताल का संदेश पहुंच गया। हड़ताली ड्राइवरों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित हो रहीं बसों को भी रुकवा दिया। इसके चलते बुराड़ी, मयूर विहार फेज-3 समेत कई इलाकों में सड़कों पर ही बसों की कतारें लग गईं। यात्रियों को बीच सफर में बसों से उतरकर पैदल आगे जाना पड़ा। इसकी वजह से मंगलवार सुबह नौकरीपेशा लोग ड्यूटी पर पहुंचने में लेट हो गए। ड्राइवरों का कहना है कि अब हड़ताल कर दी है तो तब तक जारी रहेगी, जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी। उनका कहना है कि वे खुद भी यात्रियों को परेशान नहीं करना चाहते हैं, लेकिन बस ऑपरेटर्स और सरकार मिलकर ड्राइवरों का शोषण कर रहे हैं। महज 862 रुपये प्रतिदिन की दिहाड़ी पर काम करना संभव नहीं है, जबकि दिल्ली में महंगाई अन्य शहरों की अपेक्षा ज्यादा है। स्कूल, मकान का किराया, रोजमर्रा का सामान सभी की कीमतें आसमान छू रही हैं।

दिल्ली में दो विद्यालयों को ईमेल पर बम की धमकी मिली

नयी दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली में मंगलवार को कम से कम दो स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले, जिसके बाद इन विद्यालय परिसरों से विद्यार्थियों को बाहर निकाला गया तथा सुरक्षा जांच की गई।

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, उसके पास धौला कुआं के ह्यआर्मी पब्लिक स्कूलह्ल से एक फोन आया। उसने बताया कि बम की धमकी संबंधी सूचना मिलने के बाद पुलिस और अन्य आपात कार्रवाई दलों को अलर्ट किया गया तथा एहतियात के तौर पर विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर से बाहर निकाला गया।

सुरक्षा कर्मियों ने किसी भी संदिग्ध वस्तु या सामान को लेकर विद्यालय भवन और आस-पास के इलाकों की तलाशी की। पुलिस जांच के तहत ईमेल के स्रोत का पता लगा रही है और धमकियों से जुड़ी जानकारी का भी विश्लेषण कर रही है। एक अधिकारी ने कहा कि तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला तथा सुरक्षा एजेंसियों के निरीक्षण के बाद यह धमकी झूठी साबित हुई।

सरदार पटेल विद्यालय को भी धमकी मिली। विद्यालय ने एक नोटिस में कहा कि सुरक्षा संबंधी धमकी मिलने के बाद सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित रूप से परिसर से बाहर निकाला गया। उसने कहा कि पुलिस को सूचित कर दिया गया है और वह जरूरी कदम उठा रही है।

नोटिस के अनुसार, माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की परीक्षाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की ज्यादातर परीक्षाएं पूरी हो गई हैं। विद्यालय ने कहा कि बची हुई परीक्षाओं पर कोई फैसला करने से पहले वह स्थिति का सावधानीपूर्वक आकलन करेगा। अधिकारियों ने बताया कि ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए जांच चल रही है।

किशाऊ परियोजना से दिल्ली को मिलेगा 109.9 एमसीएम अतिरिक्त पानी

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली सरकार की मंत्रिमंडल बैठक में किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना को लेकर हुए महत्वपूर्ण समझौते का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बैठक में परियोजना को वर्षों से लंबित विषय के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

डूसू चुनाव में सत्य निकेतन हादसे की गूंज, आवास सबसे बड़ा मुद्दा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेब वार्ता)। राजधानी के सत्य निकेतन में पीजी इमारत गिरने की घटना ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए आवास और पीजी की सुरक्षा का मुद्दा डूसू चुनाव के केंद्र में ला दिया है। डूसू चुनाव के लिए जारी तीनों प्रमुख छात्र संगठनों के घोषणापत्रों में अब सुरक्षित और किफायती छात्र आवास सबसे प्रमुख साझा मुद्दों में शामिल है।

सत्य निकेत हादसे में छात्रों की मौत के बाद विश्वविद्यालय में सुरक्षा और आवास व्यवस्था को लेकर छात्र संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किए और सुरक्षित छात्र आवास की मांग तेज हुई। छात्रों ने पीजी की सुरक्षा जांच, हॉस्टल की कमी दूर करने और किराये के मकानों में रहने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई। हादसे के बाद यह मुद्दा केवल एक इमारत की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि डीयू में पढ़ने वाले बाहर से आने वाले हजारों छात्रों के सामने रहने की समस्या और महंगे तथा असुरक्षित पीजी के विकल्प का सवाल भी चुनावी बहस में आ गया है। अब स्थिति यह है कि सत्य निकेतन ही नहीं राजधानी के अधिकांश पीजी के छात्रों से मिलने छात्र संगठनों के पदाधिकारी या उसके समर्थक जा रहे हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अपने घोषणापत्र में नए हॉस्टल बनाने और छात्राओं के लिए पर्याप्त हॉस्टल उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। इसके लिए छात्र आवास प्रकोष्ठ और हेल्पलाइन बनाने का प्रस्ताव है। संगठन ने पीजी और हॉस्टल की सुरक्षा जांच, अग्नि सुरक्षा, सफाई, पेयजल और इंटरनेट जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने की बात कही है। वहीं एनएसयूआई ने सुरक्षित आवास के साथ किराये के बोझ को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

संक्षिप्त वार्ता

जलभराव से बेहाल कृष्ण नगरिया, रामज्ञान गुप्ता ने निजी खर्च से डलवाई मिट्टी

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई, 15 सितंबर। कृष्ण नगरिया में जलभराव और कीचड़ से लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। नगर पालिका से शिकायतों के बावजूद राहत न मिलने पर नागरिकों में नाराजगी है।

मुसीबत में घिरे लोगों की परेशानी को देखते हुए सपा नेता एवं नगर पालिका हरदोई के पूर्व प्रत्याशी रामज्ञान गुप्ता ने अपने निजी खर्च से गली में मिट्टी डलवाने का काम शुरू कराया। इससे लोगों को कुछ राहत मिली।

रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि रक्षाबंधन पर महंगाई से राहत के लिए नगरवासियों को चीनी बांटने का प्रयास किया था और अब कीचड़ से राहत दिलाने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने घोषणा की कि दीपावली तक नगर की अन्य कीचड़ भरी गलियों में भी निजी खर्च से मिट्टी डलवाकर रास्ते को आवागमन योग्य कराया जाएगा। मोहल्लेवासियों ने उनके इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि संकट के समय जनता के बीच खड़ा होना उनके अपनत्व और समर्पण को दशार्ता है।

पीड़ित परिवार ने भू माफियाओं पर मुकदमा दर्ज करने की लगाई गुहार

वेब वार्ता,मुरादाबाद

महानगर मुरादाबाद के कोतवाली थाना क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर संपत्ति पर कब्जा करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र पेश किया है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि गौरी शंकर पुत्र श्री भगवान दास व संजय यादव पुत्र स्व० मुकुट बिहारी के पूर्वजो को मकान रतनलाल दीक्षित कामकाज के लिये दान स्वरूप दे गये थे उसके बाद आज तक जमीन पर कोई विवाद नही हुआ तीसरी पीढ़ी उक्त मकान पर काबिज है आरोप है कि झब्बा लाल पुत्र दामोदर व उसके पुत्र हर्षित व अमित भूमाफिया किस्स के व्यक्ति हैं इनके साथ कुछ और लोग इनले सहयोगी भी हैं ये तीनो बाप बेटे खाली पड़ी जमीन का. जिसका कोई देखभाल करने वाला नही होता उसके फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर रजिस्ट्री करा लेते हैं। और समय आने पर उस खाली जमीन पर अपनी दावेदारी करते हैं। सन 1990 में गिरीश चन्द्र व सुशील चन्द्र द्वारा दावेदारी की गयी इसी चैन को पकडकर झब्बालाल ने पूरी कहानी बनाई और कोर्ट द्वारा किसी को भी उक्त मकान का मालिक नही बनाया गया तो कोर्ट द्वारा स्वय ही. झब्बालाल का बयनामा शून्य बता दिया गया। जिससे पागल होकर तीनों बाप बेटे उनके मकान पर जबरन कब्जा करने की फिराक में है। और दूसरी मंजिल तोडकर रात में छिपकर पहला लिन्टर तोड दिया जिससे उक्त इमारत पूरी तरह गिर जाये और जान माल की हानि के साथ पीड़ित परिवार के विरूद्ध मुकदमा कायम हो जाए नगर निगम द्वारा जर्जर भवन को गिराने व मरम्मत कराने से संबंधित नोटिस भी दिया गया है लेकिन यह लोग इसमें भी हस्तक्षेप कर रहे हैं और उन्हें कोई भी कार्य नहीं करने दिया जा रहा है दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किए जाने की मांग उठाई गई है

सुबह हो या शाम, यहां दिनभर चलते हैं अवैध शराब के जाम!

प्रेस नोट में कार्रवाई के दावे, चुनिंदा ठिकानों पर फिर लौट आता है कच्ची शराब का कारोबार

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। आबकारी विभाग की ओर से आए दिन अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के प्रेस नोट जारी किए जाते हैं। कार्रवाई की जानकारी देकर विभाग अपनी सक्रियता का दावा करता है, लेकिन शहर के आसपास की तस्वीर इन दावों पर सवाल खड़े करती नजर आ रही है। आरोप है कि कुछ चुनिंदा स्थानों पर सुबह करीब छह बजे से ही कच्ची शराब की बिक्री शुरू हो जाती है और दिनभर इसका सिलसिला चलता रहता है।

हैरानी की बात यह है कि शहर के कुछ चुनिंदा स्थान ऐसे बताए जा रहे हैं, जहां पिछले काफी समय से कच्ची अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें सामने आती रही हैं। आबकारी विभाग कभी इन स्थानों पर कार्रवाई करता है और उसकी जानकारी प्रेस नोट के जरिए सार्वजनिक भी करता है, लेकिन कार्रवाई के अगले ही दिन सुबह कथित तौर पर उसी स्थान पर फिर शराब की बिक्री शुरू हो जाती है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर विभाग इन ठिकानों पर स्थायी रूप से रोक लगाने में नाकाम क्यों साबित हो रहा है?

मंगलवार सुबह सामने आई तस्वीर में भी शहर के एक क्षेत्र में कुछ लोग सड़क किनारे बैठे नजर आए। स्थानीय स्तर पर यहां कच्ची शराब की बिक्री होने की चर्चा है, लेकिन यदि संबंधित स्थान पर लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही हैं तो आबकारी विभाग के लिए मौके पर पहुंचकर जांच करना जरूरी है।

एक दिन कार्रवाई, दूसरे दिन फिर वही कहानी

स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ स्थानों पर अवैध शराब का कारोबार कोई नई बात नहीं है। कार्रवाई होने के बाद कुछ समय के लिए गतिविधियां थमती हैं, लेकिन अगले दिन फिर वही स्थिति दिखाई देने लगती है। इससे विभाग की कार्रवाई के स्थायित्व और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

आखिर क्या आबकारी विभाग को इन चुनिंदा स्थानों की जानकारी नहीं है, या फिर कार्रवाई के बाद नियमित निगरानी नहीं की जाती? यदि विभाग को जानकारी है तो बार-बार कार्रवाई के बावजूद वही ठिकाने दोबारा सक्रिय कैसे हो जाते हैं?

अब सवाल सिर्फ यह नहीं है कि कितनी कार्रवाई हुई, बल्कि यह भी है कि कार्रवाई के बाद उसी स्थान पर अवैध शराब की बिक्री दोबारा क्यों शुरू हो जाती है? आबकारी विभाग इस सवाल का जवाब और प्रभावी कार्रवाई से ही दे सकता है।

प्रेस नोट से आगे बढ़कर स्थायी कार्रवाई की जरूरत

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की जानकारी जारी करना अपनी जगह है, लेकिन उसका वास्तविक असर तब दिखाई देगा जब चिन्हित स्थानों पर बार-बार होने वाली बिक्री पूरी तरह बंद हो। स्थानीय लोगों की शिकायतों की गंभीरता से जांच, संवेदनशील स्थानों की नियमित निगरानी और कार्रवाई के बाद भी वहां नजर बनाए रखना जरूरी है।

चिन्हित स्थानों पर बढ़ाई जाएगी निगरानी

जिला आबकारी अधिकारी सुरेंद्र कुमार का कहना है कि विभाग की ओर से अवैध शराब के खिलाफ पूर्व में भी लगातार कार्रवाई की जाती रही है। अब चिन्हित किए गए स्थानों पर निगरानी और बढ़ाई जाएगी तथा अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई का प्रयास किया जाएगा।

आरटीओ कार्यालय में दलालो पर लगा प्रतिबंध, लगाए गए साइन बोर्ड

पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग का बडा कदम

वेब वार्ता, कानपुर। आरटीओ कार्यालय परिसर में जगह-जगह रेट बोर्ड और दलालो के प्रवेश पर प्रतिबंध जैसे स्लोग लिखे साइन बोर्ड लगाए गए। आरटीओ कार्यालय में आवेदको को बेहतर सुविधा देने और अनाधिकृत लोगो से दूर रहने के लिए आरटीओ प्रशासन ने कार्यलय परिसर में एआरटीओ प्रशासन कहकशां खातून के साथ मिल कर धूम-धमू परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने आम जनमानस से अपील की है कि वह अपना काम स्वयं कराये।

उन्होंने बताया कि अधिकांश कार्य अब फेसलेस यानी ऑन लाइन हो गए है। कोई भी आवदेक किसी दलाल के चक्कर न पड कर स्वयं ही अपने कार्य का निस्तारण करवाये।

आरटीओ प्रशासन राकेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि परिवहन आयुक्त के निर्देश पर समस्त उत्तर प्रदेश में कार्यो में पारदर्शिता लाने और आवेदको को बेहतर सुविधा देने के लिए संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) कार्यालय परिसर में तथा बाबुओ के पटल पर उनके नाम तथा सरीज लिखा बोर्ड लगाया गया ताकि किसी भी आवेदक को कोई असुविधा न उठानी पडे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दलालो पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने तथा उनकी आवाजाही को पूरी तरह से लगाम लगाने के लिए विभाग द्वारा ठोस कदम उठाया जा रहा है।

उन्होंने आने वाले आम जनमानस से अपील की है कि वह किसी अनाधिकृत व्यक्ति से काम न कराये। कार्यालय में सीधे आकर अपना काम करवाये तथा कोई भी प्रकार की असुविधा होने पर एआरटीओ प्रशासन से मिले उनकी समस्या का तुरंत ही निदान किया जायेगा।

मस्जिद ध्वस्तिकरण के खिलाफ भड़के वामपंथी दल

मुरादाबाद। मुरादाबाद में वामपंथी दलों, उत्तर प्रदेश किसान सभा तथा उत्तर प्रदेश खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के कार्यकताओं द्वारा अलग-अलग मुद्दों और मांगों पर प्रदर्शन करते हुऐ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपे गये।

वामपंथी दलों जिसमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भाकपा माले तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने सहारनपुर की मस्जिद ध्वस्तिकरण और मुरादाबाद की मुस्तफा मस्जिद पर टऊअ की कार्रवाई का विरोध करते हुए कहां कि भाजपा शासित राज्यों में और खास तौर पर उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यकों पर उत्पीड़न की घटनाओं के साथ-साथ उनकी आस्था केंद्र मस्जिदों पर लगातार बुलडोजर कारवाइयां की जा रही है जो न केवल संविधान और लोकतंत्र के विरुद्ध हैं, बल्कि सामाजिक भाईचारे के लिए भी गंभीर खतरा है, मांग की गई कि सहारनपुर की मस्जिद का सरकार तुरंत निर्माण करवाऐ, पीड़ित पक्ष को उचित मुआवजा दिया जाए। मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मुरादाबाद की मुस्तफा मस्जिद पर एमडीए की किसी संभावित ध्वस्तिकरण की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। उत्तर प्रदेश किसान सभा की ओर से संगठन के कार्यकताओं द्वारा किसानों की मांगों को उठाते हुए एक मांग पत्र मुख्यमंत्री को संबोधित एक मांग पत्र प्रशासन को दिया गया।

बाढ़ प्रभावितों को बांटी राहत सामग्री, हरसंभव मदद का भरोसा

वेब वार्ता, अमरोहा

धनौरा विधानसभा के खादर क्षेत्र में बाढ़ और जलभराव से उत्पन्न संकट के बीच क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा ने प्रभावित गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

खादर क्षेत्र के ग्राम बीसावली, मीरापुर एवं सुल्तानपुर पहुंचे विधायक ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित एवं जरूरतमंद परिवारों के बीच लगभग 700 राशन पैकेट का वितरण किया। गौरतलब है कि बाढ़ के चलते किसानों की खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है और दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक व रोजमर्रा की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर पहुंचे विधायक राजीव तरारा ने ग्रामीणों व किसानों से सीधा संवाद कर बाढ़ से हुए नुकसान और गांवों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में सरकार, प्रशासन और जनप्रतिनिधि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनता के साथ खड़े हैं और किसी भी परिवार को बेसहारा नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि फसलों के नुकसान का मुद्दा प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष उठाकर समुचित मुआयजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। विधायक ने प्रशासनिक अफसरों को भी क्षेत्र पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। इस दौरान राशन पैकेट मिलने पर ग्रामीणों ने राहत व्यक्त की। मौके पर तहसीलदार धनौरा, मुसराम थारू, पवन चौधरी, कृष्णा चौहान, दुष्यंत फौजी, निहार त्यागी, सागर, हरकिशन, कुलदीप, सुखदेव, नितिन चौधरी, अक्षय भारती, अमन अग्रवाल, अनिल भाटी, सूरज पाल, शंकर सिंह, काले, खचेडू, नन्हे, प्रताप व जोगिंदर सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

फर्जी परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज कर पैतृक संपत्ति हड़पने का आरोप

महिला समेत चार के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना, मारपीट व धमकी का मुकदमा

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। थाना महरौनी क्षेत्र के ग्राम छिल्ला में पैतृक संपत्ति पर कब्जे के लिए कथित तौर पर फर्जी परिवार रजिस्टर तैयार कर सरकारी अभिलेखों में नाम दर्ज कराने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक महिला और उसके पति ने ग्राम पंचायत के तत्कालीन सचिव तथा रोजगार सेवक के साथ कथित सांठगांठ कर परिवार रजिस्टर में महिला का नाम मृत व्यक्ति की पुत्री के रूप में दर्ज करा दिया। विरोध करने पर खेत पर महिला से गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। मामले में पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने के बाद पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर महरौनी

...जो कर सको कर लो

पीड़िता ने आरोप लगाया कि कथित फर्जी प्रविष्टि के माध्यम से आरोपियों द्वारा पैतृक संपत्ति पर अपना अधिकार जताने का प्रयास किया गया। 3 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 12 बजे धन्याकुमारी अपनी आराजी संख्या 377 में बुआई करा रही थीं। इसी दौरान आरोप है कि रामसखी और लालाराम वहां पहुंच गए और विवाद करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज की तथा कथित फर्जी परिवार रजिस्टर की प्रति दिखाते हुए धमकी दी कि जो कर सको कर लो।

पुलिस ने महिला समेत चार नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मामले में ग्राम छिल्ला निवासी श्रीमती धन्याकुमारी पुत्री स्वर्गीय जनकिया, उम्र करीब 43 वर्ष ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उनके चाचा रमला उर्फ रामला की मृत्यु 3 फरवरी 2019 को हो चुकी है। वह निसंतान थे। शिकायतकर्ता के अनुसार वह अपने चाचा की सगी भतीजी हैं और उनकी इकलौती कानूनी वारिस हैं। मृतक रमला ने वर्ष 2016 में अपनी कुछ भूमि का बैनामा श्रीमती रामसखी के पक्ष में किया था। आरोप है कि इसके बाद रामसखी और उनके पति लालाराम ने ग्राम पंचायत छिल्ला के तत्कालीन ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (सचिव) तथा रोजगार सेवक अंसार खां के साथ कथित रूप से मिलकर परिवार रजिस्टर में हेरफेर कराई। आरोप है कि सरकारी परिवार रजिस्टर में रामसखी का नाम मृतक रमला की पुत्री के रूप में दर्ज कर दिया गया, जबकि शिकायतकर्ता का कहना है कि रामसखी रमला की पुत्री नहीं हैं। शिकायत में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे अर्जुन पुत्र बाबू और लालसिंह पुत्र गिरवल ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना के बाद उसने पुलिस एवं उच्चाधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर उसने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, ललितपुर की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। प्रार्थना पत्र में धारा 173(4) बीएनएसएस के तहत पुलिस से मुकदमा दर्ज कर जांच कराने की मांग की गई। मामले पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मयंक जायसवाल ने प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए थाना महरौनी के थानाध्यक्ष को सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना करने के आदेश दिए। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में थाना महरौनी पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(3), 318(4), 338, 336(3) और 340(2) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है।

एफआईआर में नामजद आरोपियों में श्रीमती रामसखी पत्नी लालाराम, लालाराम पुत्र चाऊं निवासीगण ग्राम रमेशरा, हाल निवासी ग्राम छिल्ला, रोजगार सेवक अंसार खां, ग्राम पंचायत छिल्ला तथा तत्कालीन ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (सचिव), ग्राम पंचायत छिल्ला, विकासखंड बिरधा शामिल हैं।

बिछड़े बालक को जीआरपी ने भाई से मिलाया

वेब वार्ता, कानपुर। पुलिस महानिदेशक रेलवे शप्रकाश डी० द्वारा दिये गये दिशा निर्देश के तहत भूले भटके व्यक्ति, गुमशुदा बच्चो को आपरेशन मुस्कान अभियान के अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल ओम नारायण सिंह के कुशल नेतृत्व मे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सकुर्लेटिंग एरिया, टिकट घर, यात्री प्रतीक्षालय पर चेकिंग के दौरान यात्री चन्की सोनी पुत्र नन्दकिशोर सोनी नि0 गुना म0प्र0 ने थाना में आकर सूचना दिया कि मेरा भाई लकी (काल्पनिक) उम्र करीब 17 वर्ष खो गया है, काफी खोजबीन करने पर मिल नही रहा है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए एसआई मोहित कुमार यादव, संदीप कुमार तिवारी क्यूआरटी टीम, प्लेटफार्म ड्यूटी व कार्यालय को आरपीएफ कन्ट्रोल रूम मे लगे सीसीटीबी फुटेज देखने, पहनावा व हुलिया के आधार पर बालक को खोजबीन करते हुए सकुशल बरामद कर भाई चन्की सोनी को सुपुर्द किया गया। भाई चन्की सोनी द्वारा थाना जीआरपी पुलिस कानपुर सेन्ट्रल की इस सराहनीय कार्य के लिये भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया।

सवायजपुर में बाढ़ का कहर: प्रभावित गांवों में पहुंचे विधायक रानू

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। सवायजपुर विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांव इन दिनों भीषण बाढ़ और जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। खेतों में पानी भरने से फसलों को भारी नुकसान हुआ है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन व आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

स्थिति का जायजा लेने के लिए स्थानीय विधायक कुं. माधवेन्द्र प्रताप सिंह 'रानू' ने बाढ़ प्रभावित गांवों—जीवनपुरवा, निकामतपुर, करनपुर, चंद्रमपुर, सुदनीपुर, अलीशेरपुरवा और शिशैयापुरवा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही राहत सामग्री का वितरण किया। फसल व मकान क्षतिपूर्तिः विधायक ने एसडीएम शिवानी सिंह को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में फसलों और क्षतिग्रस्त मकानों का त्वरित सर्वे कराकर पात्र परिवारों को जल्द से जल्द मुआवजा दिलाया जाए।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता: चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आनंद पाण्डेय को प्रभावित गांवों में नियमित मेडिकल कैंप लगाने के आदेश दिए ताकि संक्रामक बीमारियों को फैलने से रोका जा सके। पशु सुरक्षा: पशु चिकित्साधिकारी डॉ. हरिमोहन को पशुओं के टीकाकरण और चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मार्ग मरम्मत: लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को जलभराव से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का सर्वे कर जल्द से जल्द मरम्मत कराने का निर्देश दिया। विधायक रानू ने प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट किया कि राहत कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रभावित परिवारों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

विद्यालय की राह में मौत ने रोका रास्ता, नहर में डूबे युवा शिक्षक की मौत

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। विद्यालय की ओर निकला एक युवा शिक्षक रास्ते में ही जिंदगी की जंग हार गया। रोज की तरह बच्चों के भविष्य को संवारने निकले 29 वर्षीय सहायक अध्यापक अवनीश पटेल के कदम विद्यालय की दहलीज तक पहुंचने से पहले ही मौत ने उनका रास्ता रोक लिया। सोमवार सुबह मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में सामने आए एक बंदर से बाइक टकराने के बाद अनियंत्रित होकर शारदा नहर में जा गिरी। घंटों चली तलाश के बाद बरौना गांव के पास गोताखोरों ने शिक्षक का शव बरामद किया तो परिवार की बची-खुची उम्मीद भी नहर की गहराइयों में समा गई।

अवनीश पटेल पुत्र शिवपाल, निवासी तेंदुआ, बालामऊ, पैरा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। सोमवार सुबह वह रोज की तरह बाइक से विद्यालय के लिए निकले थे। संडीला मार्ग पर शारदा नहर के समीप अचानक एक बंदर उनके सामने आ गया। कुछ ही क्षणों में बाइक अनियंत्रित हुई और अवनीश बाइक समेत नहर के गहरे पानी में जा गिरे।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों ने नहर में उनकी तलाश शुरू कर दी। किनारे पर खड़े परिजन और ग्रामीण पानी की सतह पर टकटकी लगाए उस पल का इंतजार करते रहे, जब अवनीश के सकुशल बाहर आने की खबर मिले। हर गुजरते पल के साथ बेचैनी बढ़ती गई और उम्मीदों के टूटने का भय आंखों में उतरता रहा।

आखिरकार बरौना गांव के पास गोताखोरों को अवनीश का शव मिला। जिस क्षण परिवार उनकी जिंदगी की सलामती की उम्मीद लगाए बैठा था, उसी क्षण मौत की खबर ने सब कुछ छीन लिया। घर का युवा बेटा, परिवार का सहारा और नौनिहालों को शिक्षा की राह दिखाने वाला शिक्षक अब कभी विद्यालय नहीं पहुंचेगा।

मौत की खबर घर पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। जिस घर में कुछ घंटे पहले बेटे के विद्यालय से लौटने की प्रतीक्षा थी, वहां अचानक मातम पसर गया। एक हादसे ने परिवार की खुशियां उजाड़ दीं और पूरे क्षेत्र को गहरे शोक में डुबो दिया।

खड़े कर दिये हैं सवाल

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। हादसे ने एक बार फिर सड़क मार्गों पर अचानक सामने आने वाले आवारा पशुओं और असुरक्षित यातायात परिस्थितियों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पश्चिम बंगाल उपचुनाव: भाजपा ने नंदीग्राम से चंद्रनाथ रथ की मां को उतारा

रेजीनगर में भी घोषित किया उम्मीदवार, दो विधानसभा सीटों पर सियासी मुकाबला तेज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की दो विधानसभा सीटों नंदीग्राम और रेजीनगर पर होने वाले चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने दोनों सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने नंदीग्राम से हासिरानी रथ और रेजीनगर से शाखारव सरकार को चुनाव मैदान में उतारा है।

नंदीग्राम से भाजपा प्रत्याशी हासिरानी रथ, भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के पूर्व पीए रहे चंद्रनाथ रथ की मां हैं। चंद्रनाथ रथ की मई में हत्या कर दी गई थी। ऐसे में उनके परिवार से जुड़े व्यक्ति को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद नंदीग्राम का चुनाव और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

दोनों सीटों पर मुकाबला तब और दिलचस्प हो गया, जब ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने भी सोमवार को अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी।

बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक और मुर्शिदाबाद की रेजीनगर सीट से सफीउद्दीन शेख को उम्मीदवार बनाया है।उम्मीदवारों के ऐलान के साथ ही दोनों सीटों पर टीएमसी के दो धड़ों के बीच सीधा राजनीतिक मुकाबला होने की स्थिति बन गई है।

2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद पार्टी के भीतर विभाजन सामने आया था। इसके बाद बागी गुट के लिए यह पहला बड़ा चुनावी मुकाबला माना जा रहा है।

कौन थे चंद्रनाथ रथ?

चंद्रनाथ रथ 41 वर्ष के थे और पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चांदपुर के रहने वाले थे। यही इलाका शुभेंदु अधिकारी के राजनीतिक प्रभाव के विस्तार में महत्वपूर्ण माना जाता है। पार्टी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, शांत स्वभाव के चंद्रनाथ रथ लंबे समय तक शुभेंदु अधिकारी के करीबी लोगों में शामिल रहे और संगठन के स्तर पर सक्रिय रूप से काम करते थे।

राजनीतिक संगठन से जुड़ने से पहले चंद्रनाथ रथ ने रहड़ा रामकृष्ण मिशन से शिक्षा हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने करीब दो दशक तक भारतीय वायुसेना में सेवा दी। परिवार के करीबियों के अनुसार, छात्र जीवन में वे रामकृष्ण मिशन के विचारों से प्रभावित थे और एक समय उन्होंने आध्यात्मिक जीवन अपनाने पर भी विचार किया था। अब उनकी मां हासिरानी रथ के नंदीग्राम से भाजपा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद इस सीट पर होने वाला चुनाव राजनीतिक रूप से खासा अहम माना जा रहा है।

यूसीसी पर एनडीए के सहयोगी दलों ने बढ़ाई भाजपा की चिंता

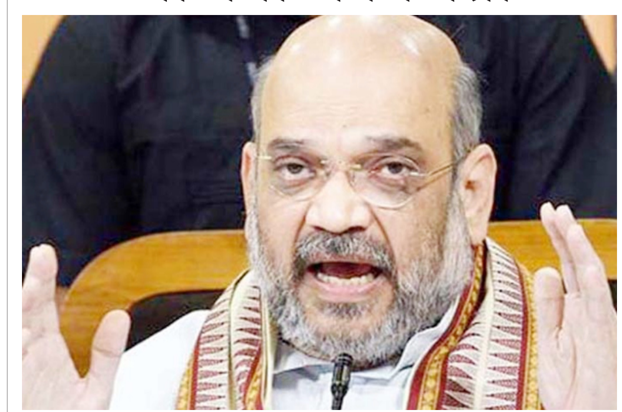

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में 2029 तक 21 भाजपा-एनडीए शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, उनके इस बयान के तुरंत बाद ही सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कुछ प्रमुख सहयोगी दलों ने इस मुद्दे पर सावधानी भरा रुख अपना लिया है, जिससे भाजपा की राह थोड़ी मुश्किल होती दिख रही है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने यूसीसी को लेकर अपने-अपने विचार रखे हैं, जो गठबंधन के भीतर बढ़ती सुगबुगाहट को दशार्ते हैं।

संसद में बहुमत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली तेलुगु देशम पार्टी ने यूसीसी पर सशर्त समर्थन का संकेत दिया है। लोकसभा में टीडीपी के नेता लावु कृष्ण देवरायालु ने कहा कि जब इसकी जरूरत महसूस होगी, तब इस पर विचार किया जाएगा और इसे अपनाने से पहले विभिन्न हितधारकों को चर्चा में शामिल किया जाएगा। यह भी गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने यूसीसी की बात आने पर मुस्लिम समुदाय के साथ खड़े होने की बात कही थी, जो उनके वर्तमान रुख में सावधानी का संकेत देता है।

बिहार में नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड ने अपना रुख साफ करते हुए कहा है कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर यूसीसी विधेयक का समर्थन करती है, लेकिन इसे बिहार में लागू करने के पक्ष में नहीं है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर इस मुद्दे पर चर्चा करने की बात कही है। नीतीश कुमार अतीत में यूसीसी का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन उनका जोर इस बात पर रहा है कि सभी समुदायों को साथ लेकर आम सहमति बनाई जानी चाहिए।

भाजपा के एक अन्य सहयोगी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने भी यूसीसी पर सावधानी भरा रुख अपनाया। उन्होंने संविधान में विभिन्न समुदायों की परंपराओं और प्रथाओं को मान्यता दिए जाने का हवाला देते हुए विविधता के महत्व पर जोर दिया। पासवान ने कहा कि यूसीसी का प्रस्ताव सार्वजनिक किया जाना चाहिए और संबंधित हितधारकों से व्यापक चर्चा व विचार-विमर्श के बाद ही पार्टी अपना रुख स्पष्ट करेगी। उन्होंने अनुसूचित जनजातियों को मिली छूट का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। हालांकि, कुछ सहयोगी दल यूसीसी के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहरा चुके हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने यूसीसी को लेकर अपना समर्थन व्यक्त किया। शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे ने यूसीसी को समानता, न्याय और राष्ट्रीय एकता के सिद्धांतों पर आधारित बताया, जबकि हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने अमित शाह के यूसीसी संबंधी बयान का पूरे समर्थन के साथ स्वागत किया।

हैदराबाद में चर्चा का विषय बना शिवलिंग जैसा अनोखा फूल

हैदराबाद। यहां एक दुर्लभ और आकर्षक फूल लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि इस फूल की बनावट बेहद अनोखी है। इस फूल के मध्य भाग में छोटा शिवलिंग जैसी आकृति दिखाई देती है, जबकि ऊपर की पंखुड़ियां इस तरह फैली रहती हैं कि पूरा फूल फन फैलाए नाग के समान नजर आता है। यही वजह है कि इसे धार्मिक आस्था से भी जोड़कर देखा जाता है।

तेलुगु में इसे नागमल्ले पुव्वु कहा जाता है, जबकि हिंदी में नागपुष्प या शिवलिंगी फूल के नाम से जाना जाता है। वैज्ञानिक रूप से यह कैनननबॉल ट्री का फूल है। इस पेड़ की एक और खासियत इसे दूसरे पेड़ों से अलग बनाती है। इसके फूल और बाद में बनने वाले गोलाकार फल डालियों पर नहीं, बल्कि सीधे पेड़ के मुख्य तने से निकलने वाले गुच्छों में लगते हैं। फल आकार और बनावट में तोप के गोले जैसे दिखाई देते हैं। जब पेड़ पर बड़ी संख्या में फूल खिलते हैं तो इसका दृश्य बेहद मनमोहक हो जाता है। आंध्र प्रदेश के तिरुमाला-तिरुपति क्षेत्र के अलावा यह पेड़ तेलंगाना और हैदराबाद में भी कई स्थानों पर देखा जा सकता है। नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन्स, संजीवैया पार्क और कोंडापुर के बॉटनिकल गार्डन में इसके बड़े पेड़ मौजूद हैं।

इसके अलावा उस्मानिया विश्वविद्यालय के हरियाले परिसर और कुछ पुराने सरकारी उद्यानों में भी यह पेड़ देखने को मिलता है। हैदराबाद, सिकंदराबाद तथा तेलंगाना के कई ऐतिहासिक शिव मंदिरों के परिसरों में भी श्रद्धालुओं ने इसे आस्था के प्रतीक के रूप में लगाया है। धार्मिक मान्यताओं में इस फूल को भगवान शिव से विशेष रूप से जुड़ा माना जाता है। शिव मंदिरों में पूजा के दौरान इसे चढ़ाना शुभ माना जाता है। सावन और महाशिवरात्रि के अवसर पर भी श्रद्धालु इस फूल का उपयोग करते हैं। इसकी हल्की और मीठी सुगंध वातावरण को भी आकर्षक बना देती है। धार्मिक महत्व के अलावा आयुर्वेदिक परंपरा में इसके पत्तों और छाल का उपयोग त्वचा संबंधी समस्याओं तथा दर्द से राहत के लिए किए जाने का उल्लेख मिलता है।

सीरिया में महंगे डीजल से भड़का गुस्सा, कई जगह हुए प्रदर्शन

दमिश्क। सीरिया में डीजल की कीमतों में अचानक हुई भारी बढ़ोतरी से देश भर में बवाल मच गया है। सरकार द्वारा डीजल की कीमत में करीब 40 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 175 सीरियाई पाउंड प्रति लीटर किए जाने के बाद देश के कई शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अलेप्पो, दारा, दीर एज़ोर और हसाका सहित विभिन्न इलाकों में व्यापक विरोध प्रदर्शन देखे गए, जहां लोगों ने सड़कें जाम कर दीं और टायर जलाकर अपना गुस्सा व्यक्त किया। यह विरोध ऐसे समय में हुआ है जब सीरिया लंबे युद्ध के बाद अपनी कमजोर अर्थव्यवस्था को सुधारने, सरकारी व्यवस्था को दोबारा खड़ा करने और विदेशी निवेश आकर्षित करने के एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है। ईंधन महंगा होने से पहले से ही दबाव में जी रहे आम परिवार और छोटे कारोबारों पर अतिरिक्त बोझ आ गया है।

कई जगहों पर एक साथ हो रहे विरोध-प्रदर्शनों से यह मामला सिर्फ महंगाई का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह नई सरकार के लिए एक बड़ी परीक्षा बन गया है। दिसंबर 2024 में बशर अल-असद का शासन खत्म होने के बाद से हयात तहरीर अल-शाम के नेता अहमद अल-शारा अंतरिम राष्ट्रपति हैं, और वे पुराने विद्रोही समूह को नई सरकारी व्यवस्था में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इस दौरान सुरक्षा और राजनीतिक तनाव भी जारी हैं। कुर्द इलाकों में भी घटनाएं हुई हैं, जिसमें कोबानी में विरोध प्रदर्शन और एक स्थानीय जेल में नौ लोगों की मौत की खबरें शामिल हैं।

यूपीआई पर चार्ज की अटकलों पर सरकार ने लगाया विराम

2,000 तक के ट्रांजैक्शन पर फीस नहीं

नई दिल्ली। यूपीआई ट्रांजैक्शन पर फीस लगाए जाने की चचाओं के बीच केंद्र सरकार ने स्थिति साफ कर दी है। वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि 2,000 तक के यूपीआई ट्रांजैक्शन और रुपे डेबिट कार्ड से किए जाने वाले भुगतान पर किसी तरह का चार्ज नहीं लगाया जा सकेगा।

नोटिफिकेशन के मुताबिक, कोई भी बैंक या सिस्टम प्रोवाइडर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भुगतान करने या रकम प्राप्त करने वाले व्यक्ति से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से कोई शुल्क नहीं वसूल सकता। इसमें खास तौर पर रुपे डेबिट कार्ड और 2,000 तक के यूपीआई ट्रांजैक्शन का उल्लेख किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने यह नोटिफिकेशन पेमेंट एंड सेटेलमेंट सिस्टम में किए गए संशोधनों के बाद जारी किया है। इन संशोधनों को पिछले महीने संसद की मंजूरी मिली थी। इसके बाद आशंका जताई जा रही थी कि सरकार डिजिटल पेमेंट पर किसी तरह का शुल्क लगाने का रास्ता खोल सकती है।

हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि भुगतान के इन माध्यमों का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों से बैंक या सिस्टम प्रोवाइडर किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं ले सकेंगे। इससे यूपीआई पर भविष्य में चार्ज लगाए जाने को लेकर चल रही चचाओं पर फिलहाल विराम लग गया है। आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में केवल करीब 4 प्रतिशत पी 2एम (पर्सन-टू-मर्चेंट) यूपीआई ट्रांजैक्शन 2,000 से अधिक के थे।

राहुल-प्रियंका ने 130 नेताओं से पूछा- आपने क्या किया?

कांग्रेस में आधे सचिवों की छुट्टी की संभावना

नई दिल्ली। कांग्रेस संगठन में लंबे समय से प्रतीक्षित बड़े फेरबदल की दिशा अब साफ होती दिख रही है। पार्टी नेतृत्व संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की तैयारी में है और जल्द ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिवों में भारी बदलाव कर सकती है। मौजूदा सचिवों में से करीब आधे को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने की संभावना है। इस कवायद के तहत, पिछले एक सप्ताह में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने लगभग 130 संभावित उम्मीदवारों के साक्षात्कार लिए हैं।

नए सचिवों के चयन के लिए समूह साक्षात्कार की प्रक्रिया 7 सितंबर से शुरू हुई थी, जिसमें 12 से 14 नेताओं के बैच में उम्मीदवारों से सवाल पूछे गए। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल ने प्रत्येक उम्मीदवार के लिए तैयार डोजियर के आधार पर उनके काम, प्रदर्शन, पार्टी संगठन में भूमिका और योगदान को लेकर विस्तार से सवाल किए। उम्मीदवारों से अपनी भूमिका में किए गए कार्यों, उसके पीछे के कारणों, पार्टी के लिए योगदान और उन क्षेत्रों के बारे में पूछा गया जहां कमी रह गई। उनसे काल्पनिक

परिस्थितियों, कमजोर प्रदर्शन वाले राज्यों में पार्टी को मजबूत करने के उपायों और संगठन सृजन अभियान पर उनके विचारों को लेकर भी प्रश्न पूछे गए। उम्मीदवारों से उनके राजनीतिक सफर और सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शन के बारे में भी पूछा गया। इस बड़े फेरबदल से पहले, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को मौजूदा एआईसीसी सचिवों से भी मुलाकात करेंगे। इस बैठक में उनके कामकाज की समीक्षा की जाएगी और उन्हें फीडबैक दिया जाएगा। माना जा रहा है कि करीब 50 फीसदी मौजूदा एआईसीसी सचिवों को उनकी मौजूदा जिम्मेदारियों से मुक्त किया जा सकता है। मंगलवार की इस बैठक का आधिकारिक एजेंडा अभी घोषित नहीं हुआ है, लेकिन इसमें प्रदर्शन और प्रस्तावित संगठनात्मक बदलावों पर चर्चा की प्रबल संभावना है। कांग्रेस में वर्तमान में 64 एआईसीसी सचिव हैं, जिनमें से अधिकांश को अलग-अलग राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है। वे संबंधित राज्यों में एआईसीसी महासचिवों या प्रभारी नेताओं के अधीन काम करते हैं और राज्य इकाइयों के कामकाज की निगरानी करते हैं। कुछ सचिवों को दिल्ली स्थित पार्टी के महत्वपूर्ण कार्यालयों में भी तैनात किया गया है। हालांकि, इस पूरी कवायद में उन नेताओं को भी ध्यान में रखा जाएगा जिन्हें हाल ही में संगठन सृजन अभियान के तहत नई जिम्मेदारियां दी गई हैं या संगठन में प्रमोट किया गया है।

अफगानिस्तान में भारतीय व्लॉगर की गिरफ्तारी का दावा

कोच्चि। केरलम की एक लोकप्रिय ट्रैवल व्लॉगर अरुणिमा ने अफगानिस्तान के बामियान शहर में मुजाहिदीन द्वारा अपनी गिरफ्तारी का दावा कर भारतीय दूतावास से मदद की गुहार लगाई है। अरुणिमा, जो कुछ समय पहले अफगानिस्तान की यात्रा पर गई थीं और वहां से अपने सोशल मीडिया पेज पर कई वीडियो पोस्ट किए थे, ने सोमवार को अपनी गिरफ्तारी की जानकारी साझा की। अरुणिमा ने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक विस्तृत पोस्ट साझा की है, जिसमें उन्होंने स्थानीय अधिकारियों की ओर से मिले कथित आधिकारिक संदेश का अनुवाद भी प्रस्तुत किया।

हॉर्मुज संकट के बीच भारत ने गैस से 80 फीसदी बिजली उत्पादन बढ़ाया

नई दिल्ली। एक तरफ यूएस और ईरान के बीच चल रहे युद्ध जैसे हालात की वजह से हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर फिर तनाव बढ़ गया है, जिससे दुनियाभर को गैस और बिजली की आपूर्ति की चिंता सताने लगी है। ऐसे नाजुक समय में भारत ने अपनी बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण तरीका अपनाया है, जिससे देश में बिजली का उत्पादन काफी बढ़ा है। देशभर में सितंबर की शुरूआत से बिजली की मांग तेजी से बढ़ी है, खासकर शाम के समय जब लोग काम से घर लौटते हैं और बिजली की खपत अचानक बढ़ जाती है। इसी समय सोलर पावर का उत्पादन भी कम हो जाता है, जिससे बिजली की कमी और बढ़ जाती है। इस स्थिति से निपटने के लिए बिजली कंपनियां अब गैस से चलने वाले पावर प्लांट्स का ज्यादा इस्तेमाल कर रही हैं। 1 से 9 सितंबर के बीच गैस आधारित बिजलीघरों ने रिकॉर्ड 1,088.64 मिलियन यूनिट बिजली बनाई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह उत्पादन 603.70 मिलियन यूनिट था। इसका मतलब है कि एक साल में गैस से बिजली उत्पादन में करीब 80 फीसदी की वृद्धि हुई है। सितंबर में भी कई इलाकों में गर्मी और उमस बनी हुई है, जिससे घरों और कारोबारों में बिजली की खपत बढ़ी है। 9 सितंबर को देश में बिजली की अधिकतम मांग 267 गीगावॉट तक पहुंच गई, इस दौरान रात में करीब 7.7 गीगावॉट बिजली की कमी दर्ज हुई। अगले दिन यानी 10 सितंबर को मांग और बढ़कर 269 गीगावॉट हो गई, हालांकि उस दिन बिजली की कमी घटकर करीब 6.1 गीगावॉट रह गई। शाम के समय यह समस्या इसलिए ज्यादा गंभीर होती है क्योंकि सूरज ढलने के साथ सोलर पावर का उत्पादन तेजी से कम हो जाता है, जबकि घरों में पंखे, एसी, लाइट और दूसरे उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ जाता है।

गैस से चलने वाले बिजलीघरों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन्हें जरूरत के हिसाब से जल्दी चालू किया जा सकता है और इनका उत्पादन भी तेजी से बढ़ाया या घटाया जा सकता है। यही वजह है कि बिजली की अचानक बढ़ी मांग के समय ये प्लांट काफी काम आते हैं। देश में गैस आधारित बिजली उत्पादन की कुल क्षमता करीब 20.1 गीगावॉट है, और एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के मुताबिक, फिलहाल शाम के समय बिजली की कमी को संभालने के लिए करीब 4.5 से 5.5 गीगावॉट गैस आधारित बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा है। बिजली की बढ़ती जरूरत के बीच कोयला आधारित पावर प्लांट भी लगभग अपनी पूरी क्षमता से चल रहे हैं, ऐसे में उनसे अचानक और ज्यादा बिजली पैदा करवाना आसान नहीं है। वहीं, बारिश की कमी का असर हाइड्रो पावर यानी पानी से बनने वाली बिजली पर भी पड़ा है। दक्षिण और पश्चिम भारत के कई इलाकों में जलाशयों का जलस्तर कम है, जिससे आने वाले दिनों में हाइड्रो पावर का उत्पादन और घटने की आशंका है।

गुरुग्राम हिट-एंड-रन केस: महिला बाइकर सिया का सवाल- बेकसूर थे तो मदद के लिए क्यों नहीं रुके?

गुरुग्राम। गुरुग्राम में महिला बाइकर शिवानी चौहान उर्फ सिया और कार चालक कल्याण बैंसला से जुड़ा हिट-एंड-रन मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

घटना के वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी कल्याण बैंसला को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं सिया ने आरोपी के दावों पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि अगर टक्कर अनजाने में हुई थी और वह बेकसूर थे, तो उन्होंने अपनी गाड़ी रोककर उनकी मदद क्यों नहीं की?

घटना 13 सितंबर की बताई जा रही है। सिया अपने कुछ बाइकर दोस्तों के साथ ह्यसंडे राइडह्न पर निकली थीं। इसी दौरान गोल्फ कोर्स रोड पर एक कार उनकी बाइक से टकरा गई। घटना का वीडियो एक अन्य बाइकर के हेलमेट कैमरे में रिकॉर्ड हुआ, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

टक्कर के बाद कार लेकर भागने का आरोप

सिया और उनके साथियों का आरोप है कि कार चालक ने अचानक लेन बदलकर उनकी बाइक को टक्कर मारी और मौके

पुलिस ने कल्याण बैंसला को किया गिरफ्तार; आरोपी ने कहा- बाइकर्स से डरकर भागा

पर रुके बिना वहां से निकल गया। एक अन्य बाइकर ने कार का पीछा भी किया और चालक से गाड़ी रोकने को कहा, लेकिन आरोप है कि वह तेज रफ्तार में वहां से निकल गया।

आरोपी ने बताया क्यों भागा

जिम संचालक और खुद को अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी बताने वाले कल्याण बैंसला ने टक्कर को अनजाने में हुई घटना बताया है। उनका कहना है कि बाइकर्स का बड़ा समूह उनकी कार के आसपास था और उन्हें डर था कि वे उनके साथ मारपीट कर सकते हैं। इसी डर के कारण वह मौके से चले गए। विवाद के बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिया।

सिया ने उठाए कई सवाल

सिया ने आरोपी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वीडियो में स्पष्ट दिखाई देता है कि सड़क पर कौन किसे परेशान कर रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि बैंसला का यह दावा सही नहीं है कि वे उन्हें पहचान नहीं पाए थे।

सिया ने सवाल उठाया कि अगर टक्कर गलती से हुई थी तो आरोपी रुके क्यों नहीं और उनका हालचाल क्यों नहीं पूछा? उन्होंने कहा कि हादसे में उन्हें गंभीर चोट लग सकती थी, हड्डियां टूट सकती थीं या उनकी जान भी जा सकती थी।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

गुरुग्राम पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए सेक्टर-56 थाने में केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और चोट पहुंचाने सहित संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर मंदसौर जिले में ट्रक से टकराई कार

तीन की मौत; एक घायल

मंदसौर।दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे पर हादसे रुक ही नहीं रहे हैं। मंगलवार को फिर गरोठ के पास दुर्घटना हो गई। इसमे गुड़गांव हरियाणा के तीन युवकों की मौत हो गई। वहीं एक घायल है पर उसकी स्थिति ठीक है।

बताया जा रहा है कि गरोठ के एंट्री गेट से एक ट्रक एक्सप्रेस वे पर चढ़ा ही था कि पीछे से तेज गति से आ रही कार उसमें घुस गई। कार में सवार लोग गुड़गांव से बांसवाड़ा के चाचाकोटा जा रहे थे।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर गरोठ के यहां से एक ट्रक चढ़ा। अभी ट्रक चालक एक्सप्रेस वे पर पहुंचा ही था कि पीछे से तेज गति से आ रही कार उसमें जा घुसी। मोके पर ही कार सवार अरविंद पुत्र रोशनलाल निवासी सिकंदरपुर गुड़गांव(हरियाणा), बिंदर पुत्र जगतसिंह निवासी नाथूपुर गुड़गांव(हरियाणा), कैलाश निवासी अलवर (राज) की मौत हो गई। उनके शव भी काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाले।

ट्रक के पीछे लाइट बंद थी

वही हादसे में विजेंदर पुत्र हरपाल निवासी नाथूपुर गुड़गांव (हरियाणा) घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि ट्रक में पीछे से कार घुसने पर ही हादसा हुआ है। घायल विजेंदर ने बताया कि जब ट्रक ड्राइवर एक्सप्रेस वे पर ट्रक लेकर आया तो ट्रक के पीछे की लाइट बंद थी। साथ ही बारिश होने के कारण भी ट्रक दिखी नहीं। और यह हादसा हो गया। चारों युवक बांसवाड़ा के पास प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चाचाकोटा जा रहे थे।

घर-घर बुखार ने दी दस्तक

वायरल संक्रमण से पीड़ित 80 फीसदी मरीज, डेंगू और स्वाइन फ्लू ने बढ़ाई चिंता

ग्वालियर। शहर में इन दिनों बुखार ने घर-घर दस्तक दे दी है, लेकिन सबसे बड़ी मुश्किल बुखार नहीं बल्कि उसकी पहचान है। तेज बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी, बदन और जोड़ों में दर्द, सिरदर्द और कमजोरी यही लक्षण वायरल संक्रमण से लेकर डेंगू और स्वाइन फ्लू तक में दिखाई दे रहे हैं।

ऐसे में मरीजों के लिए शुरूआत में यह समझना मुश्किल हो रहा है कि आखिर उन्हें कौन सी बीमारी ने जकड़ा है। स्थिति यह है कि जया आरोग्य अस्पताल (जेएएच), जिला अस्पताल मुरार, सिविल अस्पताल और निजी अस्पतालों की ओपीडी में बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

चिकित्सकों के अनुसार, करीब 80 प्रतिशत मरीज वायरल संक्रमण से पीड़ित हैं, लेकिन इसके साथ डेंगू, चिकनगुनिया और स्वाइन फ्लू के मामले सामने आने से चिंता बढ़ गई है। अब तक जिले में डेंगू के 90 मामले, चिकनगुनिया के छह और स्वाइन फ्लू के छह मामले सामने आ चुके हैं। स्वाइन फ्लू के संक्रमितों में तीन मरीज ग्वालियर के हैं। यानी एक तरफ वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है, तो दूसरी ओर मच्छरजनित और सांस के जरिए फैलने वाली बीमारियां भी सक्रिय हैं।

दवाई लेने के बाद नहीं उतर रहा बुखार

इस बार वायरल संक्रमण का स्वरूप भी मरीजों को ज्यादा परेशान कर रहा है। कई मरीजों का कहना है कि पैरासीटामोल लेने के बाद भी बुखार जल्दी नियंत्रित नहीं हो रहा। बुखार के साथ कमजोरी और बदन दर्द कई दिनों तक बना हुआ है। कुछ मरीजों को हालत बिगड़ने पर अस्पताल के वार्ड और आइसीयू तक में भर्ती करना पड़ रहा है। कई मरीजों के एक्स-रे में निमोनिया के लक्षण मिल रहे हैं और सांस लेने में परेशानी भी सामने आ रही है। कुछ मरीजों की जांच में विडाल और टाइफाइड टेस्ट भी पॉजिटिव मिले हैं। इससे साफ है कि इस समय बुखार के पीछे केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि कई संक्रमण सक्रिय हैं।

ग्वालियर को कब मिलेगी ट्रैफिक जाम से मुक्ति?

बिना प्लानिंग लगाए गए ट्रैफिक सिग्नल, अब चौराहों पर पड़े हैं बंद

ग्वालियर। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के नाम पर अलग-अलग चौराहों और तिराहों पर बिना किसी प्लानिंग ट्रैफिक सिग्नल लगा दिए गए। उम्मीद थी कि इनसे वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित होगी।

चौराहों पर लगने वाला जाम कम होगा, लेकिन कई जगह सिग्नल लगाने से पहले यातायात का दबाव, सड़क की चौड़ाई, वाहनों की दिशा और चौराहे की वास्तविक जरूरत जैसी बुनियादी बातों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया।

नतीजा यह हुआ कि कुछ सिग्नल ज्यादा दिन चल ही नहीं सके, इन्हें बंद करना पड़ा। सिग्नल बंद होने के बाद भी उनका ढांचा नहीं हटाया गया। आज भी शहर के कई हिस्सों में चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल के खंभे और लाइटें खड़ी हैं।

बिना प्लानिंग लगाए गए सिग्नल

राहगीरों के लिए ये अब यातायात सुविधा नहीं, बल्कि शहर की पुरानी और अधूरी ट्रैफिक प्लानिंग की निशानी बन चुके हैं। दरअसल, शहर में ट्रैफिक सिग्नल लगाने का उद्देश्य चौराहों पर यातायात को नियंत्रित करना होता है, लेकिन इसके लिए प्रत्येक स्थान की अलग-अलग ट्रैफिक स्टडी जरूरी होती है। किस दिशा से कितने वाहन आते हैं, व्यस्त समय में कितना दबाव रहता है, पैदल यात्रियों की संख्या कितनी है और सिग्नल लगाने के बाद वाहनों के आवागमन पर क्या असर पड़ेगा, ऐसे सभी पहलुओं का आकलन किया जाना चाहिए।

बंद सिग्नलों की जिम्मेदारी किसकी ?

ग्वालियर में कई पुराने सिग्नलों को देखकर सवाल उठता है कि क्या इन स्थानों पर सिग्नल लगाने से पहले ऐसी कोई विस्तृत ट्रैफिक प्लानिंग की गई थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि वर्षों से बंद पड़े इन सिग्नलों को लेकर जिम्मेदारी किसकी है। यदि किसी स्थान पर सिग्नल यातायात के लिए अनुपयोगी साबित हो चुका है तो उसका ढांचा हटाकर स्थान को व्यवस्थित किया जाना चाहिए। इसके उलट शहर में कई जगह पुराने खंभे और उपकरण आज भी उसी तरह खड़े हैं।

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा-संकल्प अभियान

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास के दीपक का प्रकाश फैल रहा हैं देशभर में: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास के दीपक का प्रकाश देशभर में फैल रहा है। यह श्री मोदी के सेवा और जिम्मेदारी के 25 वर्षों के उजास का प्रतीक है। प्रदेश में सेवा-संकल्प अभियान 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक संचालित होगा। प्रदेशवासी प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर को बड़ी संख्या में दीप प्रज्जवलित कर उनके प्रति आभार प्रदर्शित करेंगे, हमारा प्रयास हो कि इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन का विश्व रिकॉर्ड कायम हो। सेवा संकल्प अभियान का आयोजन ग्राम और नगर स्तर पर अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए उत्साह पूर्वक किया जाये। सभी कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर प्रभावी मॉनीटरिंग हो। विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्था के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही जनप्रतिनिधियों से भी बेहतर समन्वय और सभी संबंधितों की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा के रंग-राष्ट्र के संग कार्यक्रम के अंतर्गत जबलपुर में ह्युमन रंगोली का राज्य स्तरीय आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश में जारी तैयारियों की समत्व भवन में समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए।

बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, मंत्री श्री राकेश सिंह, मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, मंत्री श्री विश्वास सारंग, श्री नागर सिंह चौहान, मंत्री श्री राकेश शुक्ला, मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार और राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल वर्चुअली शामिल हुए। समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, श्री केसी गुप्ता, श्री संजय दुबे, श्री अनुपम राजन, श्री संजय शुक्ला, श्री शिवशेखर शुक्ला तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक से समस्त संभागायुक्त तथा जिला कलेक्टर्स वर्चुअली जुड़े।

सेवा-संकल्प अभियान की शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम अंतर्गत प्रदेश में दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगी। उज्जैन के महाकाल महालोक सहित प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में शाम 7 बजे एकसाथ दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उज्जैन से कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। प्रदेश के सभी लाभार्थी परिवारों और संस्थाओं को दीप प्रज्जवलन में शामिल किया जाए। इसी दिन सभी स्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों में रक्तदान शिविर आयोजित होंगे। बैठक में रक्त संग्रह, परिवहन और संग्रहण के लिए आवश्यक व्यवस्था के भी निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय होंगे।

आंगन मिलन सेवा का आयोजन 26 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक सभी आंगनवाड़ियों में होगा। इसके अंतर्गत बच्चों और माताओं के लिए स्वल्पाहार, खेल सामग्री, पठन सामग्री आदि की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अपील का वीडियो भी आंगनवाड़ी में महिलाओं और बच्चों को दिखाया जाएगा। आंगन मिलन सेवा में स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण, एनीमिया और स्वच्छता की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम की राज्य प्रभारी महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया होंगी। सेवा की कहानी कार्यक्रम 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक होगा। इसके अंतर्गत केन्द्र/राज्य सरकार की योजनाओं से जिन हितग्राहियों का जीवन बदला है, आभार स्वरूप उनके संदेश जारी किए जाएंगे। कार्यक्रम की राज्य प्रभारी, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी होंगी। सेवा ज्योति कलश यात्रा 7 अक्टूबर को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में निकाली जाएगी। इसके अंतर्गत जिला विकास पुस्तिकाओं का वितरण और जिले में हुई विकास गतिविधियों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग होंगे। वड़नगर (गुजरात)-वाराणसी सेवा यात्रा की अवधि 17 सितम्बर से 7 अक्टूबर तक रहेगी। प्रदेश के सभी जिलों से यह यात्रा गुजरेगी। कार्यक्रम के प्रभारी लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल होंगे।

सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक होगा। इसके अंतर्गत समाज के सभी वर्गों और संस्थाओं की सहभागिता से विभिन्न सेवा गतिविधियां संचालित की जाएंगी। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह होंगे। सेवा सेतु अभियान 2 से 10 अक्टूबर तक होगा। कार्यक्रम में विकास खण्ड स्तर पर और नगरीय निकायों में जोन वार शिविरों का आयोजन किया जाएगा। केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के हितलाभ पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही प्रदान किए जाएंगे। इस कार्यक्रम से जनविश्वास अभियान को भी जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी उप मुख्यमंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल होंगे। सेवा के रंग-राष्ट्र के संग कार्यक्रम में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, झाबुआ और अलीराजपुर में 9 और 10 अक्टूबर को बड़े पैमाने पर जनसहभागिता से ह्युमन रंगोली का निर्माण किया जाएगा।

चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी

सेवा-संकल्प अभियान अंतर्गत मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम में 19 से 26 सितम्बर तक जिलास्तर पर और 4 व 5 अक्टूबर को राज्यस्तर पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें सभी शासकीय और निजी स्कूल, कॉलेज भागीदारी करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह होंगे। नमो सेवा-अनकही कहानियां गतिविधि 19 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक होगी, जिसके अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी संस्कृति मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी होंगे।

कान्हा टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी के लिए हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाहन अनिवार्य

खुद कराना होगा रजिस्ट्रेशन, दस्तावेज की होगी पड़ताल

मंडला। लगभग तीन महीने के मानसून ब्रेक के बाद कान्हा का जंगल फिर पर्यटकों की अगवानी के लिए तैयार हो रहा है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में एक अक्टूबर से नया पर्यटन सत्र शुरू होगा, जिसे लेकर पार्क प्रबंधन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जंगल सफारी के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहनों की इस बार प्रवेश से पहले कड़ी पड़ताल होगी।

प्रबंधन अलग-अलग प्रवेश द्वारों के लिए वाहन जांच और पंजीयन की तिथियां तय कर रहा है। वाहन मालिकों को स्वयं उपस्थित होकर पंजीयन कराने और निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट बिना किसी वाहन को प्रवेश नहीं

सबसे महत्वपूर्ण शर्त हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट को लेकर है। इसके बिना किसी वाहन को पार्क में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वाहन के पंजीयन, दस्तावेज और अन्य निर्धारित मानकों की भी जांच होगी। नए पर्यटन सत्र में सिर्फ वही वाहन सफारी करा सकेंगे, जो प्रबंधन की तय कसौटियों पर खरे उतरेंगे।

इन तिथियों पर वाहनों की जांच व पंजीयन

पार्क प्रबंधन ने वाहन मालिकों और चालकों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार वाहनों के अभिलेखों की जांच तथा भौतिक परीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। पंजीयन फार्म का वितरण एवं जमा करने की प्रक्रिया 15 से 28 सितंबर तक संबंधित प्रवेश द्वारों पर की जाएगी। सभी प्रवेश द्वार पर वाहनों के पंजीयन व जांच का समय 10 बजे से 5 बजे के बीच रखा गया है।

पर्यटक वाहनों का मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में पंजीयन होना तथा उनमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगी होना अनिवार्य है। पंजीयन के समय वाहन मालिक को स्वयं उपस्थित रहना होगा। वाहन की मूल लंबाई और चौड़ाई में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की जा सकेगी।

सीट की ऊंचाई वाहन के फ्लोर लेवल से अधिकतम 18 इंच तक निर्धारित की गई है। पार्क प्रबंधन के निर्देशानुसार पर्यटक वाहन हार्वेस्ट ग्रीन रंग के होने चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को 19 सितंबर को देंगे ई-स्कूटी की सौगात

भोपाल। प्रदेश के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव "मुख्यमंत्री स्कूटी योजना" अंतर्गत 19 सितंबर को भोपाल से मेधावी विद्यार्थियों को ई-स्कूटी का वितरण करेंगे। इससे विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा की राह आसान होगी। साथ ही, कॉलेज आने-जाने में भी सहूलियत होगी। राज्य स्तरीय स्कूटी वितरण कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवाजी नगर, भोपाल में सुबह 10 बजे से होगा।

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में ही 70% अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान आना जरूरी हैं। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना का लाभ स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत विद्यार्थी को दिया जाता है। योजना में सभी संकायों के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना के अंतर्गत अब तक प्रदेश के 23,000 से अधिक पात्र विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। योजना के संचालन पर अब तक लगभग 246 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं। मुख्यमंत्री स्कूटी योजना मेधावी विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के साथ ही आगे की पढ़ाई के लिए सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण पहल है।

सपने में दिखे गणपति, फिर पहाड़ी पर मिली वही दिव्य आकृति, जबलपुर में रतन नगर की पहाड़ी पर शिलारूप गणेश भगवान का अनूठा दरबार

जबलपुर। संस्कारधानी की पहाड़ियों में आस्था की अनेक कथाएं हैं। कहीं प्राकृतिक गुफाएं श्रद्धा का केंद्र हैं तो कहीं शिलाओं में भगवान का स्वरूप दिखाई देता है। रतन नगर की पहाड़ी पर स्थित सुप्तेश्वर गणेश की कथा इन सबसे अलग है।

यहां भगवान गणेश की प्रतिमा किसी शिल्पकार ने नहीं गढ़ी, बल्कि प्राकृतिक शिला में उभरी आकृति को भक्त गजानन का स्वयंभू स्वरूप मानकर पूजते हैं।

विराट स्वरूप के स्वप्न में दर्शन होने की बात कही जाती है

इसके पीछे स्वप्न, विशाल शिला और तीन दशक से अधिक समय में विकसित हुई लोकआस्था की कहानी है। मंदिर से जुड़े विवरणों के अनुसार इसकी शुरूआत वर्ष 1985 में हुई। सुधा अविनाश राजे को भगवान गणेश के विराट स्वरूप के स्वप्न में दर्शन होने की बात कही जाती है।

4 सितंबर 1989 में हुआ पहला अभिषेक

इस आस्था यात्रा में 4 सितंबर 1989 का दिन महत्वपूर्ण माना जाता है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार इसी दिन प्राकृतिक शिला का गंगाजल और नर्मदा जल से अभिषेक किया गया। इसके बाद सिंदूर और घी अर्पित कर पूजा की शुरूआत हुई। धीरे-धीरे आसपास के लोग यहां पहुंचने लगे और पहाड़ी का यह स्थान नियमित पूजा-अर्चना का केंद्र बन गया।

गणेश की सबसे बड़ी विशेषता प्राकृतिक शिला

जबलपुर में नर्मदा आस्था की धुरी है, इसलिए सुप्तेश्वर की स्थापना कथा में नर्मदा जल का जुड़ना इसे संस्कारधानी की धार्मिक चेतना से जोड़ता है। सुप्तेश्वर गणेश की सबसे बड़ी विशेषता प्राकृतिक शिला है। यहां चट्टान में उभरी आकृति को ही गजानन का स्वरूप मानकर पूजा जाता है।

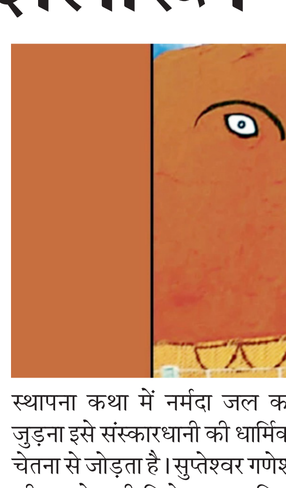

गजानन की कल्कि स्वरूप में पूजा किए जाने की मान्यता

सिंदूर से सजी विशाल शिला में गणेश आकृति के साथ घोड़े का स्वरूप भी दिखाई देता है। इसी धार्मिक व्याख्या के आधार पर यहां गजानन की कल्कि स्वरूप में पूजा किए जाने की मान्यता है। गणेश और कल्कि स्वरूप का यह संगम मंदिर को जबलपुर के अन्य गणेश मंदिरों से अलग पहचान देता है।

भगवान के दरबार में अर्जी लगाते हैं

यहां आने वाले श्रद्धालु मनोकामना लेकर भगवान के दरबार में अर्जी लगाते हैं। मनोकामना पूरी होने पर सिंदूर चढ़ाने की परंपरा बताई जाती है। इसी कारण स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच सुप्तेश्वर को अर्जी वाले गणेश के रूप में भी श्रद्धा मिलती है। गणेशोत्सव के दौरान पहाड़ी पर विशेष चहल-पहल रहती है।

यहां प्रतिमा पहले नहीं बनी, पहले विश्वास जन्मा

पूजा, अभिषेक और आरती के बीच वातावरण भक्तिमय हो जाता है। पर्व के अलावा भी श्रद्धालुओं का आना-जाना बना रहता है। सुप्तेश्वर की कथा केवल मंदिर स्थापना की कहानी नहीं, बल्कि प्रकृति और आस्था के मेल की कहानी है। यहां प्रतिमा पहले नहीं बनी, पहले विश्वास जन्मा।

सिंदूर से सजी इस विशाल शिला, विघ्नहर्ता का दरबार

शिला पहले से थी, उसमें गजानन का स्वरूप भक्तों की आस्था ने देखा और वही प्राकृतिक आकृति धीरे-धीरे तीर्थ में बदलती गई। आज रतन नगर की पहाड़ी पर सिंदूर से सजी इस विशाल शिला के सामने श्रद्धालुओं के लिए वह केवल पत्थर नहीं, बल्कि विघ्नहर्ता का दरबार है।

वरुण चक्रवर्ती बोले, मेरा ध्यान परिणाम पर नहीं बेहतर प्रदर्शन पर रहता है

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि उनका ध्यान प्रक्रिया पर अधिक रहता है। इसलिए वह परिणामों पर ज्यादा जोर नहीं देते।

अच्छे परिणाम रहने पर न तो ज्यादा खुश होते हैं और न ही खराब परिणाम आने पर दुखी होते हैं। वरुण के अनुसार लगाता बेहतर प्रदर्शन का प्रयास जरुरी है न कि परिणामों पर प्रतिक्रिया देना। पिछले कुछ समय में वरुण का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। वह टी20 विश्व कप के अलावा, आईपीएल और इंग्लैंड में भी प्रभावित नहीं कर पाये थे।

इस स्पिनर ने कहा, मैं परिणामों के आधार पर फैसला नहीं ले सकता। यदि मैं ऐसा करूंगा, तो मैं छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने लगूंगा। उन्होंने समझाया कि परिणामों के पक्ष में होने पर अत्यधिक खुशी और विपरीत होने पर अत्यधिक दुखी होनो किसी एक खिलाड़ी के लिए स्थिर प्रदर्शन के लिए सही रवैया नहीं है। उनके लिए, सर्वश्रेष्ठ तरीका केवल अपनी प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित रखना है। उन्होंने कहा, अगर गेंदबाजी अच्छी है और फिर भी उससे विकेट नहीं मिलता, तो भी मैं उस पर बना रहूंगा। लेकिन अगर गेंद खराब है और उस पर विकेट मिल जाता है, तो भी मुझे जाकर उस पर उसकी कमी ठीक करनी होगी। यही सबसे अच्छा तरीका है।

गौरतब है कि 49 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 75 विकेट लिए इस स्पिनर का मानना है कि किसी खिलाड़ी के प्रदर्शन का मापदंड केवल विकेटों की संख्या से ही नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, आपने कहा कि सब कुछ विकेट हासिल करने से जुड़ा है लेकिन ऐसा नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि मैं सही जगह पर गेंदबाजी कर रहा हूं या नहीं। उसके बाद जो भी होता है, वह मेरे नियंत्रण में नहीं है। चक्रवर्ती का तर्क है कि गेंद फेंकने के बाद उसका टर्न लेना या न लेना उनके नियंत्रण से बाहर है, इसलिए उनका ध्यान केवल अपनी गेंदबाजी की गुणवत्ता पर रहता है, न कि उसके तत्काल परिणाम पर।

चक्रवर्ती ने अपने इंग्लैंड दौरे को भी एक सीखने का अनुभव बताया, भले ही वह अनुकूल नहीं रहा था। उन्होंने कहा, इंग्लैंड का अनुभव भी मेरे लिए अच्छा रहा। वहां हम जीत नहीं पाए, इसका मतलब यह नहीं कि सब कुछ बेकार गया। सही काम करने से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इसी तरह, चोटों को भी वे खेल का एक अनिवार्य हिस्सा मानते हैं। उनके अनुसार, चोटिल होना यह दशार्ता है कि खिलाड़ी मेहनत कर रहा है और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, कभी-कभी हम अपनी सीमाओं को लांघ देते हैं और तब शरीर हार मान लेता है। ऐसे में हमें एक कदम पीछे हटना पड़ता है, बेहतर काम करना पड़ता है और पहले से ज्यादा मजबूत होकर वापसी करनी पड़ती है। यह मानसिकता उन्हें चुनौतियों से उबरने और हर अनुभव से मजबूत होने में मदद करती है।

एक ही टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ियों में भारत के शुभमन भी शामिल

लंदन। विश्व क्रिकेट इतिहास में टेस्ट क्रिकेट में कई खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। टेस्ट क्रिकेट में अब तब एक ही मैच में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड पांच बल्लेबाजों के नाम है।इसमें भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भी शामिल हैं। वहीं इस सूची में इंग्लैंड के ग्राहम गूच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में पहले नंबर पर गूच हैं।

ग्राहम गूच : ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर 26 जुलाई 1990 को भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए इस मुकाबले में गूच ने भारतीय टीम के खिलाफ पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में में 123 रन बनाये। एक ही टेस्ट मैच में 333 और 123 रन बनाकर कुल 456 रन दर्ज कराने का ग्राहम गूच का यह विश्व रिकॉर्ड आज भी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक मैच में सर्वाधिक रनों का रिकॉर्ड है, जिसे पिछले 36 सालों से कोई बल्लेबाज तोड़ नहीं पाया है।

शुभमन गिल : वहीं इस सूची में दूसरा स्थान भारत के युवा सितारे शुभमन गिल के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में शुभमन ने आक्रामक

बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 269 रन जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। मैच में कुल 430 रन (269 और 161) बनाकर शुभमन गिल ने टेस्ट इतिहास में एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

मार्क टेलर : तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर हैं, टेलर ने 15 अक्टूबर 1998 को पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाज में भी रिकार्ड बनाया। पहली पारी में टेलर 334 रनों पर नाबाद रहे। इसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 92 रन जोड़े। मार्क टेलर का यह 426 रनों (नाबाद 334 और 92) का संयुक्त प्रयास टेस्ट क्रिकेट के सबसे यादगार मैच आंकड़ों में गिना जाता है।

कुमार संगकारा : श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा ने 4 फरवरी 2014 को चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 319 वहीं दूसरी पारी में 105 रन बनाये। संगकारा ने कुल 424 रनों के साथ ही सूची में चौथा स्थान हासिल किया।

ब्रायन लारा : इस सूची में पांचवें स्थान पर वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा रहे। उन्होंने 10 अप्रैल 2004 को सेंट जॉन्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही पारी में नाबाद 400 रन बनाकर इतिहास रचा था। हालांकि उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उनकी यह अकेली 400 रनों की पारी टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर के रूप में आज भी दर्ज है।

मंधाना ने रोहित को पीछे छोड़ा, अब विराट कोहली का रिकार्ड है निशाने पर

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के साथ ही पुरुष टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया।

मंधाना अब टी20 अंतरराष्ट्री क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाली भारतीयों की सूची में दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। मंधाना ने अब तक 176 टी20 आई मैचों में 4751 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतकीय और 38 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं, कुल मिलाकर उनके नाम 38 बार 50 से अधिक रन हैं। वहीं रोहित ने भारत के लिए

सबसे छोटे फॉर्मेट में 159 मुकाबले खेले हैं और 4231 रन बनाये हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं।

अब मंधाना की नजरें विराट के रिकॉर्ड पर टिकी हैं। कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की ओर से सबसे ज्यादा 39 बार 50 से अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने 125 मैचों में 4188 रन जोड़े हैं, जिसमें एक शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं। मंधाना को कोहली का यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए केवल दो और अर्धशतक चाहिये। टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची अब इस प्रकार है: 39 - विराट कोहली, 38 - स्मृति मंधाना, 37 - रोहित शर्मा, 29 - सूर्यकुमार यादव, 24 - केएल राहुल, 21 - शेफाली वर्मा, 19 - हरमनप्रीत कौर।

एशिया कप में भारतीय टीम की पुरानी कमजोरी निकलकर सामने आई

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप में श्रीलंका को हराकर अपना खिताब जरुर बरकरार रखा है पर इस जीत के दौरान टीम की एक पुरानी कमजोर उभरकर सामने आ गयी है। ये है कमजोर क्षेत्ररक्षण वाली। भारतीय टीम ने टूनार्मेंट में अपने सभी मैच आसानी से जीत जिस कारणी भी उसकी कमजोर फिल्डिंग छिप गयी और इस बारे में अधिक बात नहीं हो पायी। भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर विरोधी टीमों को कोई अवसर नहीं दिया हालांकि इसके बाद भी उसे कमजोर क्षेत्ररक्षण को ठीक करना होगा। जिससे कि उसे आईसीसी टूनार्मेंट में कोई परेशान न आये।

एशिया कप के पूरे टूनार्मेंट के दौरान क्षेत्ररक्षण की कमजोरी स्पष्ट रूप से दिखी, जहाँ भारत ने पाँच मैचों में कुल 13 कैच छोड़े। यहाँ तक कि फाइनल में भी भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कैच गिरा दिये। इसके बाद भी टीम को बड़ी जीत मिल गयी। मुख्य कोच अमोल मजूमदार का हालांक मानना है कि कि खिलाड़ी क्षेत्ररक्षण में सुधार के लिए कड़ी मेहनत और लगातार अभ्यास कर रहे हैं।

कोच के अनुसार टीम को क्षेत्ररक्षा में सुधार करना ही होगा। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर सुधार की गुंजाइश है हालांकि हमने बहुत अच्छा काम किया है। हम इस विभाग में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, हमने इसको काफी समय दिया है और बहुत अभ्यास भी किया है। हम इसे बेहतर बनाने के लिए अपनी पूरी मेहनत और ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं।

कोच ने मजूमदार ने मध्यक्रम के बल्लेबाजों के उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन न करने और कप्तान हरमनप्रीत कौर की फॉर्म को लेकर जताई जा रही चिंताओं को भी सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा, यहाँ की परिस्थितियों को देखते हुए हमने कुछ शानदार स्कोर बनाए हैं। मुझे नहीं लगता कि मध्यक्रम को लेकर कोई चिंता है। हमारी सलामी जोड़ी ने लय में हैदी। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की है। खेल का यही नियम है। आप हर किसी से रन बनाने की उम्मीद नहीं कर सकते।

नकवी की विदायी के बाद अगले एशिया कप में नहीं रहेगा ट्रॉफी विवाद

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप में जीत के बाद भी एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया। ये एशिया कप में दूसरी बार है जब भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार किया है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि नकवी पाक बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ ही पाक सरकार में मंत्री भी हैं। इससे पहले 2025 एशिया कप में भारतीय पुरुष टीम ने भी खिताब जीतने के बाद नकवी से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था।

इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि ट्रॉफी को लेकर चला आ रहा यह गतिरोध आखिर कब तक जारी रहेगा। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि इस विवाद का समापन शीघ्र ही होने वाला है। एसीसी अध्यक्ष के रूप में मोहसिन नकवी का कार्यकाल 3 अप्रैल, 2027 को समाप्त हो जाएगा। वहीं एशिया कप का आयोजन हर दो साल में एक बार होता है और ऐसे में

अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में प्रस्तावित है, जिसका सीधा अर्थ है कि तब तक मोहसिन नकवी एसीसी अध्यक्ष पद पर नहीं होंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्रॉफी को लेकर कोई विवाद खड़ा होने की संभावना नहीं है, क्योंकि भारतीय टीम को किसी ऐसे व्यक्ति से ट्रॉफी नहीं लेनी होगी जिस पर उन्हें आपत्ति है।

गौरतब है कि एसीसी अध्यक्ष का पद सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नकवी के व्यवहार और भारत के साथ बिगड़े रिश्तों को देखते हुए उनके दोबारा इस पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। इससे पहले, जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक एसीसी अध्यक्ष का पद संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा चुना गया था, जो नकवी के मामले में संभव नहीं दिखता। रिपोर्ट्स के अनुसार, नकवी के कार्यकाल समाप्त होने के बाद एसीसी के अगले अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से हो सकते हैं, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलने की संभावना है।

रुपया 30 पैसे टूटकर 95.84 प्रति डॉलर खुला

मुंबई। रुपया मंगलवार को शुरूआती कारोबार में 30 पैसे टूटकर 95 .84 प्रति डॉलर पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 106 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बीच तेल आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ी मांग ने भारत के बाहरी संतुलन और मुद्रास्फीति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण-एशियाई और प्रवासीअंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95 .84 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95 .54 पर बंद हुआ था। गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा और शेयर बाजार बंद थे। इस बीच दुनिया छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0 .21 प्रतिशत बढ़कर 99 .60 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 1 .19 प्रतिशत चढ़कर 106 .94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल की आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच यह तेजी आई है। सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 233 .66 अंक चढ़कर 75,022 .37 अंक पर और निफ्टी 63 .85 अंक बढ़कर 23,462 .30 अंक पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध आधार पर 930 .90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

स्मॉल कैप फंड्स में ताबड़तोड़ निवेश जारी, एक्सपर्ट्स ने जताई चिंता

अगस्त में 7,973 करोड़ का निवेश, पांच साल में पांच गुना बढ़ा एयूएम

नई दिल्ली। स्मॉल कैप म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए लगातार आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। अगस्त 2026 में इस कैटेगरी में करीब 7,973 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड निवेश आया, जो जुलाई के आंकड़े से भी ज्यादा है। हालांकि, इस ताबड़तोड़ निवेश और पिछले कुछ सालों की शानदार कमाई ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या स्मॉल कैप में अब बहुत ज्यादा भीड़ हो गई है और क्या भविष्य में पहले जैसे रिटर्न की उम्मीद रखना वास्तविक है। स्मॉल कैप फंड्स ने निवेशकों की कल्पना को खूब आकर्षित किया है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले पांच सालों में इसका कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 68,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3.6 लाख करोड़ के पार पहुंच गया है। कोटक महिंद्रा एएमसी के हेड-रिटेल सेल्स के अनुसार यह पांच गुना से अधिक की वृद्धि केवल शेयर बाजार की तेजी का परिणाम नहीं है। उनके मुताबिक, छोटी

कंपनियों की कमाई में बढ़ोतरी, लगातार नया निवेश और निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने मिलकर इस सेगमेंट को मजबूत किया है।

भारत में मैन्युफैक्चरिंग के विस्तार, कारोबार के संगठित होने और डिजिटल सेवाओं व घरेलू खपत में तेजी जैसी मैक्रो-इकोनॉमिक वजहों ने भी कई छोटी कंपनियों को अपना कारोबार बढ़ाने के अवसर दिए हैं। स्मॉल कैप फंड्स की इस तेजी में सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की भी अहम भूमिका रही है। बख्शी ने बताया कि मार्च 2021 में स्मॉल कैप फंड में एसआईपी से जुड़ा एयूएम करीब 35,000 करोड़ रुपए था, जो मार्च 2026 तक बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपए हो गया। एम्फी-क्रिसिल के आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी के कुल एसेट का लगभग 55 फीसदी अब एसआईपी के जरिए आ रहा है, जो निवेशकों की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

हालांकि, स्मॉल कैप में बढ़ती भीड़ को लेकर आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी के एक मुख्य निवेश अधिकारी-इक्विटी ने आगाह किया है। उनका मानना है कि सबसे बड़ा जोखिम यह हो सकता है कि निवेशक पिछले तीन-चार साल के शानदार प्रदर्शन को भविष्य में भी जारी रहने वाला मान लें। उन्होंने यह भी बताया कि बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों की कुल कमाई में वृद्धि का अंतर अब उतना ज्यादा नहीं है, जितना कोविड के बाद के आंकड़ों से लगता है। उनके अनुसार, इस सेगमेंट में बहुत अधिक पैसा आने से कंपनियों के शेयरों का मूल्यांकन काफी बढ़ गया है। ऐसे में, किसी कंपनी की अच्छी कमाई के बावजूद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या उसकी उम्मीदें पहले से ही शेयर के भाव में शामिल तो नहीं हो चुकी हैं। यदि शेयर पहले से ही बहुत महंगा है, तो आगे चलकर निवेशकों को अपेक्षित रिटर्न मिलना मुश्किल हो सकता है।

सोना 115 रुपए गिरा, चांदी 461 रुपए टूटी

नई दिल्ली। अमेरिकी में ब्याज दर बढ़ने की आशंका और बॉन्ड यील्ड में तेजी के कारण सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना पांच सप्ताह के निचले स्तर के करीब आ गया, जिससे घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में कीमती धातुओं के भाव नरम पड़ गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,349.40 डॉलर प्रति औंस पर 2.50 डॉलर की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी भी 64.01 डॉलर प्रति औंस पर 0.12 डॉलर नीचे लुढ़क गई। यह गिरावट वैश्विक निवेशकों के बीच बढ़ती चिंताओं का परिणाम है। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर भी शुरूआती कारोबार में सोने और चांदी के वायदा भाव नरम रहे। खबर लिखे जाने तक, सोने का अक्टूबर वायदा भाव 1,51,181 रुपए प्रति 10 ग्राम पर 49 रुपए की गिरावट दिखा रहा था, जबकि यह 115 रुपए की गिरावट के साथ खुला था। इसी तरह चांदी का दिसंबर वायदा भाव 2,32,200 रुपए प्रति किलोग्राम पर 490 रुपए की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा था। चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 461 रुपए की गिरावट के साथ 2,31,569 रुपए पर खुला था। यह लगातार दबाव बताता है कि बाजार अमेरिकी आर्थिक नीतियों के संभावित प्रभावों को लेकर सतर्क है, जिससे सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली धातुओं की चमक फीकी पड़ रही है।

भारतीय शेयर बाजार में बढ़त के साथ कारोबार

सेंसेक्स 100 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,400 के पार

मुंबई। भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स ने मंगलवार को आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी के दम पर बढ़त दर्ज की, जो ज्यादातर एशियाई बाजारों से बेहतर प्रदर्शन था। सेंसेक्स 399.79 अंक बढ़कर 75,181.55 के स्तर पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी50 103.30 अंक की बढ़त के साथ 23,501.40 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी50 में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और इंफोसिस जैसे आईटी दिग्गजों ने सबसे ज्यादा बढ़त हासिल की, जिससे निफ्टी आईटी सेक्टर में 5 फीसदी की शानदार तेजी दर्ज की गई। हालांकि, व्यापक बाजार में तस्वीर कुछ कमजोर रही।

निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मालकैप इंडेक्स दोनों में मामूली गिरावट देखने को मिली, जबकि निफ्टी रियल्टी सबसे ज्यादा गिरने वाला सेक्टर रहा। क्सपर्ट्स के अनुसार, भारतीय बाजारों को शुक्रवार की कमजोरी के बाद गणेश चतुर्थी की छुट्टी से पहले मिले-जुले वैश्विक संकेतों का सामना करना पड़ा। सोमवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट जारी रही, जहां सेमीकंडक्टर शेयरों में बिकवाली के कारण एनविडिया 2 फीसदी से ज्यादा टूट गया। तकनीकी नजरिए से एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर निफ्टी 23,300 के ऊपर बना रहता है तो बाजार का रुख सकारात्मक रह सकता है। ऊपर की ओर 23,550 और फिर 23,750 अहम रेजिस्टेंस स्तर हैं। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी बाजार को और मजबूती दे सकती है। इससे पहले 11 सितंबर बाजार की शुरूआत गैप-डाउन के साथ हुई थी। हालांकि, भारतीय शेयरों ने इसके बाद तेज वापसी की। सूचकांक के दिग्गज शेयरों में चुनिंदा खरीदारी ने शुरूआती नुकसान को कम करने में मदद की। यह वापसी बहुत व्यापक नहीं थी।

गुड़ की चाय रखेगी 3 खतरनाक बीमारियों को दूर

इस मौसम में शरीर को स्वस्थ रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन कुछ विशेष डाइट टिप्स अपनाकर हम फिट रह सकते हैं। गुड़ की चाय एक बेहतरी ऑप्शन हो, जो न सिर्फ सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह शरीर को गर्म और ताजगी प्रदान करती है।

गुड़ से बनी चीजें विशेष रूप से फायदेमंद होती हैं। गुड़ शरीर को अंदर से गर्म रखता है और इसे विभिन्न रूपों में खाया जा सकता है। एक बेहद लाभकारी तरीका है गुड़ की चाय, जो सेहत के लिए कई फायदे प्रदान करती है। आइये गुड़ की चाय के फायदे और बनाने के तरीके के बारे में जानते हैं।

पेट की समस्याओं से निजात

गुड़ की चाय पाचन में सुधार करती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अगर आपको पाचन से संबंधित समस्याएं हैं, तो गुड़ की चाय एक प्राकृतिक उपाय हो सकती है। यह चाय रोजाना सुबह पीने से पेट की समस्याओं से निजात मिल सकती है।

इम्यून सिस्टम होगा मजबूत

गुड़ में कई आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जैसे कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, और विटामिन-बी। ये पोषक तत्व शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। शरीर को सही पोषण देने के लिए गुड़ की चाय एक बेहतरीन विकल्प है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव होता है।

गुड़ की चाय बनाने का तरीका

अगर आप इस चाय को रोजाना सुबह पीते हैं, तो आपकी सेहत को लंबे समय तक फायदा हो सकता है। गुड़ की चाय को तैयार करने के लिए आपको पानी, दूध, चाय पत्तियां, अदरक, हरी इलायची और गुड़ की आवश्यकता होगी। एक कप पानी में अदरक, इलायची और गुड़ डालकर उबालें, फिर इसमें चाय पत्तियां डालकर पकाएं। दूध डालकर उबालें और चाय तैयार करें।

सैकड़ों बीमारियों की दवा है शहद, गलत तरीके से खा रहे लोग

शहद, जब सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिन इसे गलत चीज़ों के साथ मिलाने या गलत तरीके से उपयोग करने से नुकसान हो सकता है।

शहद एक ऐसा फूड है जो तेसी होने के साथ-साथ सेहत को कई फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में शहद को एक शक्तिशाली फूड माना गया है जिसके कई औषधीय गुण भी हैं। शहद में नेचुरल शुगर होती है। शहद के पोषक तत्वों की बात करें, तो यह विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स, एंजाइम्स और अमीनो एसिड्स से भरा होता है। शहद खाने के फायदे अनगिनत हैं। इसके सेवन से इम्यूनिटी बढ़ती है, त्वचा में सुधार होता है, पाचन बेहतर बनता है, ऊर्जा देता है, वजन कंट्रोल रहता है, दिल को स्वस्थ करता है, दिल को स्वस्थ रखता है।

शहद खाने के यह फायदे आपको तभी मिल सकते हैं, जब आपका इसका सही तरीके से इस्तेमाल कर रहे हों। ध्यान रहे कि शहद को कुछ चीजों के साथ मिलाने से यह हानिकारक या विषाक्त हो सकता है, जिससे सेहत को कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं।

गर्म पानी में शहद मिलाना

अधिकतर लोग शहद को गर्म पानी के साथ मिलाकर पीते हैं। ध्यान रहे कि शहद को 140°F से अधिक गर्म करने पर हाइड्रॉक्सिमिथाइलफुरफुरल नामक विषाक्त पदार्थ उत्पन्न हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, गर्म करने पर शहद के गुण बदल जाते हैं, जिससे यह पचने में कठिन और हानिकारक हो सकता है। शहद को हमेशा हल्के गुनगुने पानी या ठंडे होने के बाद पेय में डालें।

शहद और घी बराबर मात्रा में लेना

आयुर्वेद के अनुसार, शहद और घी को समान मात्रा में मिलाना विषाक्त हो सकता है। शहद अमृत से बनता है, जबकि घी वसा है। शहद एक ठंडा करने वाला एजेंट है, जबकि घी गर्मी पैदा करता है। दोनों को मिलाने से क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नामक बैक्टीरिया निकलता है, जो विषाक्त पदार्थ पैदा करता है जिससे पेट दर्द, सांस की समस्या और यहां तक कि कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

शहद और किण्वित उत्पाद (जैसे शराब या खट्टा दही)

शहद और किण्वित चीजें जैसे खट्टा दही या शराब पाचन में असंतुलन और पेट की समस्याएं पैदा कर सकती हैं। शहद में नेचुरल शुगर होती है, जो इन उत्पादों के साथ मिलकर किण्वन को बढ़ा सकती है।

शहद और रिफाइंड शुगर

बहुत से लोग शहद और चीनी का एक साथ सेवन करते हैं। ध्यान रहे कि रिफाइंड शुगर या मिठाई के साथ शहद का उपयोग करने से शरीर में अतिरिक्त चीनी जमा हो जाती है, जिससे मोटापा, दिल के रोग और डायबिटीज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनके अलावा शहद को कभी मछली के साथ नहीं खाना चाहिए। यह पाचन तंत्र को प्रभावित कर विषाक्तता पैदा कर सकता है।

शहद को मूली और प्याज

शहद और मूली का मेल शरीर में विषाक्तता उत्पन्न कर सकता है। यह पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है और सूजन जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। आयुर्वेद ग्रंथ भी मूली को शहद के साथ न मिलाने की सलाह देते हैं। इसी तरह शहद और प्याज को समान मात्रा में मिलाने से शरीर में गर्मी और असंतुलन हो सकता है।

शहद और खट्टे फल

खट्टे फल (जैसे नींबू, संतरा) और गर्म शहद का संयोजन कुछ लोगों के पाचन तंत्र के लिए नुकसानदेह हो सकता है। यह पेट में जलन पैदा कर सकता है। हमेशा शुद्ध शहद का उपयोग करें, उबलते पानी, चाय, या दूध में शहद डालने से बचें। शहद को सूखे और ठंडे स्थान पर एयरटाइट कंटेनर में रखें और अधिक मात्रा में सेवन हानिकारक हो सकता है।

फ्रेंच फ्राइज के दीवाने हैं और नियमित सेवन करते हैं तो खतरे में है आपकी सेहत

फ्रेंच फ्राइज़ अपने स्वादिष्ट स्वाद के लिए जाने जाते हैं, लेकिन तेल में तले जाने, उच्च वसा सामग्री और मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसे संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के विकास के कारण, खासकर जब ज़्यादा पकाया जाता है, तो ये आपके संपूर्ण स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

फ्रेंच फ्राइज.. यह नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। बहरहाल, यह खबर उनके लिए है, जो नियमित रूप से फ्रेंच फ्राइज खाना पसंद करते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि ये स्वादिष्ट फ्राइज आपके स्वास्थ्य को आंतरिक रूप से कैसे प्रभावित कर रहे हैं? नियमित रूप से फ्रेंच फ्राइज का सेवन आपके शरीर को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। ये फ्राइज आम तौर पर तेल में डीप फ्राई किए जाते हैं, जिससे इनमें अस्वास्थ्यकर वसा और कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। इसके कारण वजन बढ़ता है। साथ ही ये मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप के खतरे को बढ़ाते हैं।

इसके अलावा, तलने की प्रक्रिया में एक्रिलामाइड जैसे हानिकारक यौगिक उत्पन्न होते हैं, खासकर जब फ्राइज को ज़्यादा पकाया जाता है। इनसे दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं। यहां हम कुछ कारण बताने जा रहे हैं कि आपको नियमित रूप से बहुत अधिक फ्रेंच फ्राइज खाने से क्यों बचना चाहिए।

खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है

फ्रेंच फ्राइज़ हाइड्रोजनीकृत तेल में तले जाते हैं, जिसमें ट्रांस वसा की उच्च मात्रा होती है। यह न केवल आपके खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) के स्तर को बढ़ाता है बल्कि आपके अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) के स्तर को भी कम करता है, जिससे हृदय स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

आंतों के लिए नुकसान दायक

फ्रेंच फ्राइज़ की उच्च वसा सामग्री और चिकनाई आपके आंत माइक्रोबायोम को नुकसान पहुंचा सकती है, स्वस्थ बैक्टीरिया को कम करते हुए अस्वस्थ बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देकर, आपके पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालती है।

वजन बढ़ने का कारण बनता है

फ्रेंच फ्राइज़ में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है, जिससे वे कैलोरी बम बन जाते हैं। नियमित सेवन सीधे तौर पर उनकी उच्च ऊर्जा सामग्री के कारण आसान और तेजी से वजन बढ़ने से जुड़ा है।

हृदय रोग का खतरा बढ़ाता है

फ्रेंच फ्राइज़ वसा और नमक से भरे होते हैं, जो उच्च रक्तचाप, मोटापे और मधुमेह के उच्च जोखिम में योगदान करते हैं—ऐसे कारक जो हृदय रोगों की संभावना को काफी बढ़ा देते हैं।

कैंसर का खतरा अधिक

कुछ लोगों को पता है कि फ्रेंच फ्राइज़ में उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जिससे रक्त शर्करा के स्तर में तेजी से वृद्धि होती है। समय के साथ, तलने की प्रक्रिया के दौरान हानिकारक यौगिकों के बनने के कारण, इससे कुछ कैंसर के बढ़ते जोखिम सहित स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

नसों में खून, हड्डियों में कैल्शियम भर सकते हैं रागी के लड्डू

शरीर को ताकतवर और इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए आप रागी के लड्डू खा सकते हैं, रागी में कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं।

इन दिनों इम्यून सिस्टम कमजोर होने से बीमारियों का ज्यादा खतरा होता है। कमजोर इम्यूनिटी, ठंड की बीमारियां, प्रदूषण आदि से आपके शरीर में कमजोरी और थकान पैदा हो सकती है। शरीर में जान भरने और इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए आप रागी लड्डू अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। राही का लड्डू कैल्शियम, फाइबर और आयरन आदि पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह शरीर को ताकत देता है, गर्म रखता है, इम्यूनिटी मजबूत करता है और बीमारियों से बचाता है।

जरूरी सामग्री

- 1 कप रागी आटा
- ¾ कप गुड़
- ¼ कप घी
- ¼ कप कद्दूकस किया नारियल
- ½ चम्मच इलायची पाउडर
- थोड़े भुने हुए नट्स बादाम, काजू, या किशमिश, बारीक कटे हुए

बनाने की विधि

- धीमी आंच पर एक पैन में रागी आटे को खुशबू आने तक भूनें। जलने से बचाने के लिए लगातार चलाते रहें।
- एक अलग पैन में 2-3 चम्मच पानी के साथ गुड़ को पिघलाएं।
- भुने हुए रागी आटे में पिघला हुआ गुड़ डालें और अच्छी तरह मिलाएं।
- इसमें नारियल, इलायची पाउडर और भुने हुए मेवे डालें।
- गर्म घी को धीरे-धीरे मिश्रण में डालें और इसे अच्छी तरह मिलाएं ताकि यह बंधने लगे।
- मिश्रण गर्म रहते हुए इसे हाथों से छोटे-छोटे गोले का आकार दें
- लड्डू को पूरी तरह ठंडा होने दें और फिर एक एयरटाइट डिब्बे में रखें। यह 10 दिनों तक ताजा रहता है।

हड्डियों को मिलेगी मजबूती

रागी कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। नियमित सेवन से ऑस्टियोपोरोसिस को रोका जा सकता है और बच्चों व बुजुर्गों की हड्डियों का विकास बेहतर होता है।

दिल को स्वस्थ रखने में सहायक

रागी में मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करते हैं, खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और दिल को स्वस्थ रखते हैं। यह लड्डू सर्दी-खांसी और संक्रमण से बचाव करते हैं।

पाचन में होता है सुधार

रागी में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो कब्ज को रोकता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। रागी आयरन से भरपूर होता है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने और एनीमिया को रोकने में मदद करता है। गुड़ के साथ मिलाने पर इसका आयरन कंटेंट और भी बढ़ जाता है।

वजन और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में सहायक

रागी में फाइबर अधिक होने के कारण यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे भूख कम लगती है और वजन कंट्रोल रहता है। रागी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।